वर्षः- 05
अंकः- 343
मुरादाबाद
(Wednesday)
08 April 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी ने वियतनाम के नए राष्ट्रपति तो लाम को दी बधाई, बोले- भारत-वियतनाम दोस्ती और होगी मजबूत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वियतनाम के नए राष्ट्रपति तो लाम को बधाई दी और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने की बात कही।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वियतनाम के नए राष्ट्रपति तो लाम को पद संभालने पर हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने अपने संदेश में भरोसा जताया कि दोनों देशों के बीच वर्षों पुरानी दोस्ती आने वाले समय में और मजबूत होगी।पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए कहा कि वह राष्ट्रपति टो लाम के नेतृत्व में भारत और वियतनाम के संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचते देखने को लेकर आशान्वित हैं। उन्होंने कहा %मुझे पूरा विश्वास है कि आपके नेतृत्व में हमारे दोनों देशों के बीच समय की कसौटी पर खरे उतरे रिश्ते और मजबूत होंगे।%प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि वह राष्ट्रपति तो लाम के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं, ताकि दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा किया जा सके।पीएम मोदी ने अपने संदेश में इस साझेदारी को न केवल भारत और वियतनाम के लोगों की प्रगति और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण बताया, बल्कि पूरे क्षेत्र के विकास के लिए भी अहम बताया। कम्युनिस्ट पार्टी प्रमुख तो लाम बने राष्ट्रपति- गौरतलब है कि वियतनाम की संसद ने कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव तो लाम को सर्वसम्मति से देश का राष्ट्रपति चुन लिया है। पांच साल के इस कार्यकाल के साथ अब उनके हाथ में पार्टी और सरकार दोनों की कमान आ गई है। यह फैसला वियतनाम की उस परंपरा से अलग माना जा रहा है, जिसमें आमतौर पर शीर्ष पद अलग-अलग नेताओं के पास होते थे। विशेषज्ञों का कहना है कि यह व्यवस्था कुछ हद तक चीन में शी जिनपिंग के नेतृत्व वाले सत्ता ढांचे जैसी दिखती है। जनवरी में पार्टी प्रमुख के रूप में दोबारा चुने जाने के बाद ही यह तय माना जा रहा था कि तो लाम राष्ट्रपति पद भी संभाल सकते हैं। शपथ लेने के बाद 69 वर्षीय नेता ने राष्ट्रीय असेंबली को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता देश में शांति और स्थिरता बनाए रखना है, जो तेज और टिकाऊ आर्थिक विकास की नींव है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य आम लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना है, ताकि विकास का लाभ सभी तक पहुंचे। पीएम मोदी ने कहा

महिला आरक्षण कानून से बढ़ेगा नेतृत्व, पीएम मोदी ने दोहराया- 2029 से पहले लागू करने का प्रयास

कि महिला आरक्षण कानून देश को महिला-नेतृत्व वाले शासन की ओर ले जाएगा। सरकार इसे जल्द लागू करने के लिए संसद सत्र बढ़ाकर आवश्यक संशोधन करने पर विचार कर रही है और सभी दलों से समर्थन की अपील की है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार ने हर स्तर पर महिलाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है और नारी शक्ति वंदन अधिनियम के जरिए भारत महिला-नेतृत्व वाले शासन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि प्रतिनिधित्व का वास्तविक प्रभाव में बदलना जरूरी है।प्रधानमंत्री ने यह टिप्पणी केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी के उस लेख पर की, जिसमें महिलाओं की विधायी भागीदारी बढ़ाने और समावेशी शासन की जरूरत पर जोर दिया गया है। एक्स पर मोदी ने कहा कि प्रतिनिधित्व का मतलब वास्तविक प्रभाव होना चाहिए। हमारी सरकार ने हर रूप में नारी शक्ति को प्राथमिकता दी है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के जरिए भारत महिला-नेतृत्व वाले शासन की ओर बढ़ रहा है, जो विकसित भारत का एक अहम स्तंभ है।नारी शक्ति वंदन अधिनियम%, जिसे आमतौर पर महिला आरक्षण कानून कहा जाता है, 2023 में संसद द्वारा पारित किया गया था। इस कानून के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया गया है। यह कानून संविधान संशोधन के माध्यम से लागू किया गया है और इसके प्रभावी होने के लिए परिसीमन प्रक्रिया का पूरा होना जरूरी है। सरकार 2029 से पहले लागू करने पर कर रही विचार - हालांकि, सरकार इस कानून को 2029 से पहले लागू करने की संभावनाओं पर भी विचार कर रही है। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री ने संसद के बजट सत्र को तीन दिन 16 से 18 अप्रैल तक बढ़ाने की घोषणा की है, ताकि कानून में आवश्यक संशोधन कर इसके क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त किया जा सके। अधिकारियों के अनुसार, अगर सरकार परिसीमन प्रक्रिया से पहले इस कानून को लागू करना चाहती है, तो इसके लिए संविधान में एक और संशोधन करना होगा। माना जा रहा है कि संसद के विस्तारित सत्र में इस दिशा में प्रस्ताव लाया जा सकता है। मोदी ने सभी राजनीतिक दलों से समर्थन की अपील की- प्रधानमंत्री मोदी ने सभी राजनीतिक दलों से अपील की है कि वे इस मुद्दे पर खुले मन से समर्थन दें और राजनीतिक गणनाओं से ऊपर उठें। उन्होंने कहा कि यह केवल एक कानून नहीं, बल्कि देश की माताओं और बहनों के विश्वास को जीतने का अवसर है, और सभी दलों को इसमें सहभागी बनना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

राजनाथ सिंह की PAK को ललकार: 55 साल पुराना अंजाम मत भूलो, बंगाल पर नजर उठाई तो खुदा जाने कितने टुकड़े होंगे

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में चुनावी हुंकार भरी और अभिषेक बनर्जी के बयान पर पलटवार करते हुए पाकिस्तान के मुद्दे पर अपनी बात रखी।पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के भड़काऊ बयान पर तीखा पलटवार किया है। राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को पुरानी यादें ताजा करते हुए कहा कि वे 55 साल पहले के अंजाम को न भूलें जब पाकिस्तान दो हिस्सों में बंट गया था। उन्होंने साफ लहजे में चेतावनी दी कि अगर इस बार पाकिस्तान ने बंगाल की तरफ आंख उठाकर भी देखा तो खुदा ही जाने उसके कितने टुकड़े होंगे। राजनाथ सिंह ने पाकिस्तानी नेतृत्व को संयम बरतने और इतिहास से सीख लेने की सलाह दी है।बैरकपुर में चुनावी रैली के दौरान राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान की धमकी और उस पर तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी के बयान पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी।

करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि देश का रक्षा मंत्री होने के नाते वह खुद इस मुद्दे पर अपनी बात रख रहे हैं और यह जरूरी नहीं कि हर बात पर प्रधानमंत्री ही बोलें। रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि भारत की सुरक्षा और रक्षा मामलों पर सरकार की नीति पूरी तरह स्पष्ट है। राजनाथ सिंह ने दोटूक शब्दों में कहा कि वह देश के रक्षा मंत्री हैं और रक्षा से जुड़े विषयों पर बोलने के लिए पूरी तरह अधिकृत हैं।

सीएम योगी पहुंचे वृंदावन, जगद्गुरु संत मलूकदास की 452वीं जयंती महोत्सव में हुए शामिल

सीएम योगी वृंदावन पहुंचे, जहां वे जगद्गुरु संत मलूकदास की 452वीं जयंती महोत्सव में शामिल

हुए। इस दौरान धार्मिक अनुष्ठानों में भागीदारी के साथ सुरक्षा के कड़े इंतजाम भी किए गए हैं।

सीएम योगी वृंदावन पहुंचे, जहां वे जगद्गुरु संत मलूकदास की 452वीं जयंती महोत्सव में शामिल हुए।

इस दौरान धार्मिक अनुष्ठानों में भागीदारी के साथ सुरक्षा के कड़े इंतजाम भी किए गए हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ का एक माह के अंदर मथुरा का दूसरा दौरा है। इससे पहले सात मार्च को उन्होंने वृंदावन में ब्रज तीर्थ विकास परिषद की बैठक ली थी। संघ प्रमुख भी 24 मार्च को रुक्मिणी विहार स्थित जीवनदीप आश्रम के लोकार्पण समारोह में वृंदावन आए थे।

खरगे का दावा- कांग्रेस 70 से अधिक सीटें जीतेगी:सीएम हिमंत को बताया देश में सबसे भ्रष्ट

मल्लिकार्जुन खरगे ने असम में मुख्यमंत्री हिमंत सरमा पर भ्रष्टाचार और परिवारवाद के आरोप लगाए, उनकी पत्नी के खिलाफ जांच की मांग की। साथ ही दावा किया कि कांग्रेस गठबंधन 70 से अधिक सीटें जीतकर सरकार बनाएगा।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुवाहाटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान असम की भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरमा देश के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं और उनसे ज्यादा अहंकारी और घमंडी कोई दूसरा मुख्यमंत्री नहीं है।हिमंत के परिवार पर लगाए गंभीर आरोप- खरगे ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री केवल अपने परिवार के विकास के लिए काम कर रहे हैं और चाय, कोयला व जमीन से जुड़े सिंडिकेट चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।कांग्रेस अध्यक्ष ने केंद्र सरकार से मांग की कि हिमंत सरमा की पत्नी के कथित विदेशी संपत्तियों और तीन देशों के पासपोर्ट रखने के आरोपों की जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि इन गंभीर आरोपों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। पीएम मोदी को गांधी परिवार पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं- चुनावी दावों को लेकर खड़गे ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन असम की 126 सदस्यीय विधानसभा में 72-73 सीटें जीतकर सरकार बनाएगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए खरगे ने कहा कि उन्हें गांधी परिवार पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है, क्योंकि इस परिवार के सदस्यों ने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है। असम में चुनावी माहौल के बीच कांग्रेस और भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं, जिससे सियासी तापमान लगातार बढ़ रहा है।

बंगाल में SIR पर रारः सीएम ममता का आरोप- मतदाता सूची से विशेष समुदाय के लोगों के नाम कटे, लड़ेंगे कानूनी लड़ाई

सीएम ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि एआईआर प्रक्रिया के बाद लाखों मतदाताओं के नाम हटाए गए, जिसमें विशेष समुदायों को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि टीएमसी प्रभावित लोगों के साथ खड़ी है और इस मुद्दे पर कानूनी लड़ाई जारी रखेगी।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नदिया जिले के चकदहा में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि अंतिम मतदाता सूची से विशेष समुदायों के लोगों के नाम हटाए गए हैं। उन्होंने इसे गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि यह लोकतांत्रिक अधिकारों के खिलाफ है। ममता ने स्पष्ट किया कि टीएमसी ऐसे सभी लोगों के साथ खड़ी है और प्रभावित लोगों को न्याय दिलाने के लिए ट्रिब्यूनल में केस लड़ा जाएगा।ताजा चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, एसआईआर प्रक्रिया के बाद राज्य में करीब 91 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री ने दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट में उनके हस्तक्षेप के बाद न्यायिक निर्णय के तहत लंबित लगभग 60 लाख मामलों में से 32 लाख नाम बहाल किए गए हैं। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होंगे, जबकि मतगणना 4 मई को की जाएगी।

पाताल से ढूंढ़ निकालेंगे, राहुल तक जाएगा केस: हिमंत की पवन खेड़ा को चुनौती, पत्नी पर आरोपों से भड़के सीएम

असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने अपनी पत्नी पर लगाए गए आरोपों को लेकर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को चेतावनी दे डाली है। उन्होंने साफ-साफ कहा कि पुलिस उन्हें कहीं से भी खोज निकालेगी। इस मामले में असम पुलिस की टीम दिल्ली भी पहुंची है। सीएम ने इस पूरे विवाद के पीछे राहुल गांधी का हाथ बताया है।असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के बीच छिड़ी जुबानी जंग अब एक बेहद गंभीर मोड़ पर आ गई है। मुख्यमंत्री सरमा ने अपनी पत्नी पर लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों पर पवन खेड़ा को दो टूक चेतावनी दी है। सरमा ने कहा कि अगर खेड़ा पाताल में भी जाकर छिप जाते हैं, तो असम पुलिस उन्हें वहां से भी ढूंढ कर लाएगी।यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मुख्यमंत्री सरमा की पत्नी पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां के खिलाफ कुछ दस्तावेज भी पेश किए। मुख्यमंत्री का दावा है कि खेड़ा ने यह सब कांग्रेस नेता राहुल गांधी के इशारे पर किया है। सरमा ने कहा कि पवन खेड़ा ने जो %कागज% पेश किए हैं, वे केवल राजनीति से प्रेरित हैं और इसके पीछे की असली पटकथा राहुल गांधी ने लिखी है।मुख्यमंत्री की चेतावनी केवल शब्दों तक सीमित नहीं रही। मंगलवार यानी 7 अप्रैल को असम पुलिस की एक टीम अचानक पवन खेड़ा के दिल्ली स्थित आवास पर पहुंच गई। पुलिस की इस कार्रवाई ने असम से लेकर दिल्ली तक, राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। सरमा ने कहा कि पाताल में भी लुकेगा तो हम उठा के लेके आएगा, यानी, पाताल से भी ढूढ़ निकालेंगे। कि असम सरकार इस मामले में कोई ढील देने के मूड में नहीं है। राहुल गांधी तक पहुंचेगी जांच की आंच? मुख्यमंत्री सरमा ने केवल पवन खेड़ा पर ही निशाना नहीं साधा, बल्कि सीधे तौर पर राहुल गांधी को भी इस मामले में घसीटा है। उन्होंने दावा किया है कि इस पूरे मामले की जांच का दायरा बढ़ेगा और आने वाले समय में राहुल गांधी से भी इस संबंध में कड़ी पूछताछ की जा सकती है। असम में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक सरगर्मी अब अपने चरम पर है।

संपादकीय Editorial

Trump's Arrogance Must Be Shattered

By and large, President Trump's arrogance, his conceit, his obsession, his obsession—all must be shattered. A president's "occupation mentality" has plunged the world into poverty, inflation, recession, and ultimately, starvation. President Trump's plans and objectives have been shattered in the Iran war. Although US-Israeli airstrikes have razed thousands of Iranian buildings, factories, military headquarters, arsenals, 30 universities, and city after city to rubble, Iran remains on the battlefield, fighting. By completely controlling the Strait of Hormuz, it has shaken the global economy and created an energy crisis. The United States is also crying out in pain due to inflation. The public is protesting in the streets. Yet, President Trump is warning that if the Strait of Hormuz doesn't open and Iran doesn't strike a deal by April 6th, Iran will face devastation. Iran is not deterred by these threats; instead, it shot down 10 US fighter jets, helicopters, and drones in a single day. An American pilot was missing, but has now been found safe. Iran now controls the skies over Iran. The US fighter jets are of the "F" category, considered the backbone of US air power. Until now, the world considered them "invincible" and lethal. They also possess nuclear capabilities and are considered adept at evading enemy radar. It is being said that Iran's air defense system's missiles destroyed the US aircraft. Is this Iran's air defense system, or is Russia's S-400 given an "Iranian name"? The arrogance of the planes has been shattered, but the US Pentagon has also admitted that 365 of its soldiers have been injured and 13 killed in the Iran war. Of the injured, 247 were from the Army, while the US has yet to formally launch a ground operation. Nevertheless, President Trump not only had to hold an emergency meeting with his security team, but also offered a 48-hour ceasefire through intermediaries, which the Iranian government rejected. It is President Trump's extreme arrogance that he has made the statement of pushing Iran back to the "Stone Age." Perhaps the US President does not know that Iran is a 5,000-6,000-year-old civilization. America was born in 1776. Even invaders like Alexander and Genghis Khan could not conquer or destroy Iran. History has recorded that Iran has been devastated and reduced to rubble many times, but it has rebuilt and is now very close to becoming a nuclear power. Trump's arrogance must be shattered. He has demanded a new defense budget of 139.5 lakh crore rupees ($1.5 trillion) and has sent the proposal to the US Congress. This is the largest defense budget since World War II. President Trump wants an increase of approximately 42 percent and is in favor of cutting budgets for education, health, the environment, and foreign aid by approximately $73 billion. As a result, America's debt burden will increase. America is already $39 trillion in debt. America has become alarmed by Iran's new war policy, but what does war have in store for it now? Countries like France, Japan, South Korea, Germany, Italy, Spain, Britain, and India are under all-out pressure. The Strait of Hormuz is closed and the Gulf countries' oil and gas facilities have been destroyed, leaving the world desperate for every drop of energy. India is paying $141.36 per barrel for on-spot crude oil, while the futures price is $109.03. However, this war should end soon.

AI Time: ChatGPT Is Not a Doctor, Elderly Man Consumed Sodium Bromide Daily

When an elderly man believed ChatGPT and took sodium bromide daily, he began hallucinating. A study analyzing several chatbots found that they were no better than web searches at diagnosing a user's true illness or guiding their future course of action. Over the past few years, the technology industry has convinced people that the more data their AI chatbots are fed, the better they become. Now, the next step is to get users to share their most sensitive health information. Microsoft recently introduced a tool that allows users to share records from health providers with the "Copilot Health" chatbot. These records will then be combined with data collected from the user's fitness device. After analyzing all the information, the chatbot will generate a detailed description of the user's health issues. Microsoft's announcement follows moves by Amazon, OpenAI, and Anthropic, which began testing similar tools this year. By collecting health data and providing feedback, companies whose chatbots have been in the news for contributing to psychosis, loneliness, and bad habits in some users are now venturing into extremely risky territory. Doctors have said that chatbot-based healthcare may have some benefits, such as giving people better information about their health at a time when healthcare is becoming increasingly expensive. But sharing health information with tech companies also poses numerous privacy risks. Like previous technologies that have made people overly concerned about their health, these chatbots could also lead to unnecessary doctor visits. Microsoft claims that it can take a doctor several hours to manually review all of a person's medical records and fitness device data to compile a comprehensive health report. But Copilot Health can do this in just seconds. As medical costs rise, AI chatbots could be a cost-effective way to help people manage their health and learn about symptoms. Matthew Green, associate professor of computer science at Johns Hopkins University, said that keeping health records in one place could make them a target for criminals. A victim's health data could reveal diseases they may want to keep private. Therefore, these companies can do whatever they want with the health information—such as training AI or showing ads based on the user's health conditions. Microsoft says it will not be used to improve its AI or display advertising. A study analyzing several chatbots found that these chatbots were no better than web searches at diagnosing the user's correct illness or determining their next course of action. They sometimes provided incorrect information or completely changed their advice based on a slight change in the wording of questions. These shortcomings have already led to some serious mistakes. For example, a 60-year-old man was confined to a psychiatric unit for weeks after ChatGPT recommended he take sodium bromide to reduce salt, which caused him to experience delusions and hallucinations. New research has revealed that even models specifically designed to address users' health questions (like ChatGPT Health) may pose some risks. Dr. Lisa Piercey, former Tennessee Health Commissioner, explained that a chatbot's basic conclusions about health problems can be concerning. Sinus congestion is often a symptom of allergies, but a chatbot may misinterpret it as a symptom of a more serious illness, leading to unnecessary doctor visits. - With Teddy Rosenbluth Jasper AI - an artificial intelligence platform that helps content creators, marketers, and businesses create fast and accurate content. It uses machine learning and natural language processing (NLP) to simulate human-like text. Jasper can write and translate content in over 30 languages, including Hindi. It allows users to easily convert long articles into short social media posts or YouTube scripts. Furthermore, it reduces grammatical errors and improves the flow of content.

The Stream of Life: A Vision Beyond the Present, the Future Is Not Just a Repetition of the Past, But a New Creation

When we begin to live consciously, we realize that the future is not merely a repetition of the past, but a new creation, one that we can shape through our thoughts, actions, and awareness. Many people avoid using their minds, as if the ability to think and understand were a burden. And there are some who do use their minds, but in a way that makes their thinking appear directionless and irrational. This situation is not merely the result of ignorance, but also a sign of a deep-seated mental habit in which a person does not even attempt to know and understand themselves. It is surprising when we see that even many seemingly intelligent and aware people do not use their senses properly. They fail to see the realities right before their eyes. It seems as if they are not truly living life, but merely passing through it. Thus, they remain disconnected from their own existence. This isolation gradually leads them to a mental state where they accept the present as the ultimate truth, meaning that what exists today will remain so forever. For them, there is no new tomorrow, no new possibilities. They become devoid of imagination, and their lives are reduced to limited experiences gained through the senses. In their world, there is neither room for opportunity nor scope for change. But the reality is different. Life is changeable. Every moment holds countless possibilities within itself. If we awaken our consciousness, look within ourselves, and try to understand our experiences, we will find that life is not static, but dynamic. Human beings possess the potential for infinite growth. All that is needed is proper use of our mind, senses, and consciousness. When we begin to live consciously, we realize that the future is not merely a repetition of the past, but a new creation, which we can shape through our thoughts, actions, and awareness.

Minority Criteria Needed to Be Reconsidered

The distribution of population in India varies from state to state and district to district. Consequently, if a community constitutes more than 50% of the population in an area, how can it be considered a minority? The increased budgetary allocation for the Ministry of Minority Affairs in fiscal years 2025 and 2026 offers positive signals at first glance, but when resources are not fully utilized, it raises serious questions. Is the problem a lack of funds or a flawed policy framework? The gap between minority welfare data and ground reality is due in part to the limitations of the definition of "minority" and the associated criteria. The current policy, based on a national population of less than 50%, fails to adequately reflect the needs and regional disparities in a diverse and federal structure like India. As a result, the distribution of resources is neither effective nor equitable. The Supreme Court's views during the hearing on the minority status of Aligarh Muslim University further clarified the complexity of this issue. While one side of the court advocated viewing minority identity within a broader socio-historical perspective, the other side insisted on defining it within the legal framework and constitutional boundaries. It is clear that a lasting solution to this sensitive issue is not possible through judicial interpretation alone. Citing Article 30 of the Constitution, the Supreme Court excluded minority educational institutions from the right to education. It is clear that the minority status is no longer merely a question of constitutional rights, but is also deeply intertwined with equitable distribution of resources, social balance, and administrative efficiency. The population distribution in India varies from state to state and district to district. Furthermore, if a community constitutes more than 50% of the population in a region, it holds a dominant position. Therefore, granting it special protection by deeming it a "minority" raises questions about the principles of policy and justice, especially when communities like Sikhs, Jains, Buddhists, or Parsis are limited in numbers and representation. In its landmark decision in TMA Pai Foundation vs. Karnataka, the Supreme Court held that defining minorities at the state level is more logical and constitutional, as educational and cultural rights are enforceable within the state. For this principle to be properly applied, it is essential to recognize that "minority" is not a fixed and permanent category, but a changing social concept that can vary by region. To accurately capture local demographics, social structure, and actual deprivation, the concept of minority should be redefined in regional contexts, taking into account factors such as income, education, gender equality, and regional development indices, in addition to religion. This approach can strike a balance between social justice, economic efficiency, and national unity.

महिला सिपाही के सिर में चोट, पति ने कई बार बदले बयान; मां-बेटे की मौत मामले में जरा सी चूक ने पलट दी कहानी

यूपी के रामपुर जिले में महिला सिपाही और उसके मासूम बेटे की मौत हादसे में नहीं हुई थी, बल्कि उनकी हत्या की गई थी। कार में ही सवार महिला सिपाही के पति ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसे मार डाला था। आरोपी ने पत्नी को मारने के लिए पहले से ही तैयारी कर ली थी।रामपुर के मिलक निवासी दान सिंह ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर अपनी पत्नी महिला सिपाही लता और अपने बेटे लड्डू की हत्या राज पोस्टमार्टम रिपोर्ट एसपी सोमेंद्र मीणा के पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कारण सिर पर चोट रिपोर्ट में चेहरे और हल्की खाल जलना चोट बीच सिर में एएसपी अनुराग सिंह कि सड़क दुर्घटना के आगे कहीं से डैमेज दुर्घटना के समय डैश अगर लता का सिर माथे या चेहरे पर भी

की, इसका से खुला। अनुसार मौत का आया था। गले की भी था। लगी थी। ने बताया बाद कार नहीं थी। बोर्ड में टकराता तो चोट होती। सिर के बीच में चोट आने पर जांच शुरू की। इसके बाद सीडीआर रिपोर्ट निकाली। सीडीआर में दान सिंह और उसके साथियों की कॉल और काशीपुर रोड की लोकेशन मिली। इन चीजों से पुलिस जांच आगे बढ़ाते हुए शातिरों तक पहुंच गई।इसके बाद जब दान सिंह से पूछताछ की तो उसके बयान विरोधाभासी मिले। पुलिस ने सीडीआर में आए नंबर में से एक-एक कर जब सबसे पूछताछ की तो मामला सामने खुलकर आ गया।पत्नी की धमकी और शक बना हत्या का कारण- पुलिस ने जब हत्या के कारणों की जांच की और सिपाही लता के पति दान सिंह से पूछताछ कि तो उसने बताया कि उसकी पत्नी बार-बार उसे सीतापुर में मकान बनाकर रहने का दबाव बना रही थी। उसने सीतापुर में जमीन भी देख ली थी। एएसपी अनुराग सिंह ने बताया कि दान सिंह को अपनी पत्नी पर शक था। उसे लगता था कि उसकी पत्नी का प्रेम प्रसंग दूसरे सिपाही से है। इस बात को लेकर उनके बीच लड़ाई भी होती थी।एंबुलेंस में नहीं ले जाने से गहराया पुलिस का शक- कार में आग लगने की सूचना पर एंबुलेंस पहुंची। उससे पहले ही दान सिंह पत्नी को अपने साथ दूसरी कार में ले गया। उसे वह जिला अस्पताल नहीं लाया। करीब आधा घंटे तक घायल पत्नी के साथ दूसरी कार में घूमता रहा। पुलिस का इससे शक और गहराया। कार के अंदर ही पत्नी के सिर पर हथौड़ा मारा था। उसका मुंह भी दबाने का प्रयास किया था।पहले डंपर से तेज टक्कर कराके मारने की थी साजिश- दान सिंह पत्नी को मारने का प्लान लंबे समय से बना रहा था। उसने साथी नूर हसन के साथ पत्नी की हत्या कराने की प्लानिंग की थी। वह पत्नी को डंपर से एक्सीडेंट कराकर मरवाना चाहता था लेकिन नूर हसन ने ऐसा करने से मना कर दिया। इस कारण दान सिंह ने अपनी दूसरी साजिश पर काम किया।यह था पूरा मामला- गंज कोतवाली इलाके में काशीपुर गांव के पास 25 फरवरी की रात यह घटना हुई थी। एसपी के मुताबिक, किराये पर टैक्सी चलवाने वाला दान सिंह अपनी पत्नी लता सिंह, दो साल के बेटे लड्डू और मिलक कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जमापुर निवासी अपने रिश्तेदार रवि कुमार के साथ नैनीताल घूमने गया था। दान सिंह ने नैनीताल की ट्रिप के पीछे घर में नई कार आने की खुशी बताई थी। वहां से लौटते समय काशीपुर गांव के पास गुजरते डंपर द्वारा कार में साइड से टक्कर मार देने और उससे आग लग जाने के कारण पत्नी व बेटे की मौत की बात कही थी।पोस्टमार्टम रिपोर्ट से बदली दिशा- रास्ते के कैमरों की फुटेज, फोन कॉल डिटेल और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मिले संकेतों के आधार पर पुलिस ने जांच की दिशा बदली तो दान सिंह की अपनों के कत्ल की साजिश का खुलासा हो गया। एसपी ने बताया कि पति दान सिंह उसके साथी टांडा थाना क्षेत्र के सोनकपुर निवासी नूर हसन और पटवाई थाना क्षेत्र के मदारपुर निवासी सलमान को गिरफ्तार कर लिया है। दान सिंह के रिश्तेदार जमापुर निवासी रवि और पनवड़िया निवासी प्रदीप की तलाश जारी है।आरोपी और लता ने की थी लव मैरिज- पुलिस का दावा है कि हत्या के पीछे पत्नी की मौत के बाद मिलने वाली डेढ़ करोड़ रुपये की सरकारी मदद को हड़पना था। पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीणा ने बताया कि सीतापुर निवासी लता ने वर्ष 2021 में मिलक के ग्राम बेहटरा निवासी दान सिंह के साथ लव मैरिज की थी। शादी के बाद से लता सीतापुर में रहने के लिए दान सिंह पर दबाव डाल रही थी। जिस पर उसने लता और बेटे लड्डू को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। उसने अपने इस प्लान में रवि के अलावा नूरहसन, प्रदीप कुमार और अब्दुल करीम को शामिल किया। फिर प्लान के तहत दान सिंह अपनी पत्नी लता और बेटे लड्डू को लेकर नैनीताल गया। साथ में रवि भी था। वापस आते समय बाजपुर के पास दान सिंह ने कार रोकी और दो कोल्डड्रिंक लीं। दोनों में उसने नींद की गोलियां मिला दीं फिर लता और लड्डू को दे दी। कोल्ड ड्रिंक पीने के बाद दोनों बेहोश हो गए। इसके बाद दान सिंह ने जिस तरफ लता बैठी थी, वह साइड डंपर से अपनी कार टकरा दी, ताकि हादसा लगे। इसके बाद दान सिंह ने अपने साथी प्रदीप और सलमान को पेट्रोल लेकर बुलाया। दोनों ने कार पर पेट्रोल छिड़का और लाइटर से आग लगा दी।कार में जल गया मासूम-इसके बाद दान सिंह व रवि कार से कूद गए। कुछ देर में ही कार जलने लगी। आग लगने के कारण लता होश में आ गई और कार से बाहर निकली तो बाहर एक पानी भरे गड्ढे में गिर गई। वहां भी दान सिंह ने उसका मुंह पानी में डुबाने की कोशिश की। इस दौरान लड्डू कार के अंदर ही जल गयाग्रामीणों के आने और प्लान फेल होता देख दान सिंह ने फिर पैंतरा बदला, उसने एंबुलेंस से लता को ले जाने की बजाय दूसरी कार में बैठाकर वह संजीवनी अस्पताल की ओर चल दिया। रास्ते में कार में रखी हथौड़ी से दो वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया।पहली पत्नी की भी सड़क हादसे में हुई थी मौत- एसपी ने बताया कि दान सिंह की लता के साथ दूसरी शादी थी। इससे पहले उसकी शादी शाहबाद थाना क्षेत्र के ग्राम पसतौर निवासी रजनी के साथ हुई थी। वर्ष 2015 में ग्राम रौरा कला में हुए सड़क हादसे में रजनी की मौत हो गई थी।

मुरादाबाद में हर सातवीं गर्भवती को डिलीवरी के दौरान जान का खतरा, 35 से अधिक उम्र में गर्भधारण खतरे की वजह

मुरादाबाद जनपद में गर्भवती महिलाओं की सेहत को लेकर स्थिति चिंताजनक है। हर सातवीं महिला हाई रिस्क प्रेग्नेंसी की श्रेणी में है, जिससे डिलीवरी के दौरान जान का खतरा बना रहता है। कुपोषण, खून की कमी और गंभीर बीमारियां इसके मुख्य कारण लेकर रिपोर्ट चौंकाने वाली है। हर सातवीं गर्भवती महिला की भाषा में इसे हाई रिस्क प्रेग्नेंसी कहा जाता है। महिलाओं लीवर की गंभीर बीमारियों के कारण डिलीवरी के दौरान से अधिक उम्र में गर्भधारण भी इसकी वजह बन सकते में हालात सबसे ज्यादा गंभीर हैं। यहां 22.8 फीसदी चौथी महिला की डिलीवरी जोखिम भरी है। रिपोर्ट के जिनमें से 717 महिलाएं हाई रिस्क कैटेगरी में हैं। यह तैयारियों पर सीधा सवाल खड़ा करता है। जिले के अन्य में स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है। वहीं कांठ (13.6 प्रतिशत), मध्यम स्थिति में है। ठाकुरद्वारा (14.3 प्रतिशत), मूंढापांडे बढ़ता नजर आ रहा है। जनवरी 2026 तक पूरे जिले में हाई रिस्क पाई गई हैं, जो औसतन 14.6 फीसदी है। अनुसार हाई रिस्क प्रेग्नेंसी में समय पर जांच और सही

कहां कितनी हाई रिस्क प्रेग्नेंसी वाली महिलाएं

क्षेत्र		
भोजपुर	779	5538
बिलारी	446	4886
डिलारी	595	5642
कांठ	591	4351
कुंदरकी	870	6189
मूंढापांडे	715	4486
ताजपुर	717	3141
ठाकुरद्वारा	770	5377
शहर	2864	17753

हैं। मुरादाबाद जनपद में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य को को डिलीवरी के दौरान जान का खतरा है। मेडिकल साइंस में कुपोषण, खून की कमी, शुगर, ब्लड प्रेशर, किडनी या जान का खतरा होता है। इसके अलावा 18 से कम या 35 वर्ष हैं। जिले के सभी ब्लॉकों की रिपोर्ट पर नजर डालें तो ताजपुर गर्भवती महिलाएं हाई रिस्क श्रेणी में पाई गई हैं।यानी यहां हर अनुसार ताजपुर में 3141 गर्भवती महिलाओं की जांच हुई, आंकड़ा जिले में सबसे ज्यादा है और स्वास्थ्य विभाग की ब्लॉकों में बिलारी (9.1 प्रतिशत), डिलारी (10.5 प्रतिशत) कुंदरकी (14.1 प्रतिशत) और भोजपुर (14.1 प्रतिशत) (15.9 प्रतिशत) और शहरी क्षेत्र (16.1 प्रतिशत) में खतरा कुल 57,363 गर्भवती महिलाओं की जांच में 8,347 महिलाएं यानी हर सात में से एक महिला जोखिम में है। विशेषज्ञों के इलाज न मिले तो मां और बच्चे दोनों की जान को खतरा हो सकता है। ऐसे में ताजपुर जैसे क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अभियान चलाने की जरूरत है।क्या कहते हैं विशेषज्ञ-पेट में तेज दर्द, लगातार सिरदर्द, धुंधली दृष्टि, पैरों या चेहरे पर बहुत ज्यादा सूजन और शिशु की हलचल कम होना हाई रिस्क प्रेग्नेंसी के लक्षण हैं। इसके कारणों में मां की उम्र 18 से कम या 35 से ज्यादा बोना, हाई बीपी, डायबिटीज, मोटापा या पुरानी बीमारियां शामिल हैं। इसमें बार-बार चेकअप, विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह और ज्यादा सावधानी की जरूरत होती है। - डॉ. दीपाली वर्मा, अध्यक्ष, मुरादाबाद ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनी सोसायटी- हाई रिस्क प्रेग्नेंसी की समय पर पहचान के लिए सरकार द्वारा हर माह निजी और सरकारी अस्पतालों में गर्भवती महिलाओं के निशुल्क अल्ट्रासाउंड कराए जाते हैं। इसके अलावा आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ता गर्भवती महिलाओं को पोषण के लिए जागरूक करती हैं। सभी ब्लॉकों में गर्भवती महिलाओं की समय पर जांच की जाती है, जिससे परामर्श व दवा देकर सुरक्षित डिलीवरी कराई जा सके। - डॉ. संजीव बेलवाल, डिप्टी सीएमओ

सरकारी आवास में फंदा लगाकर पीएसी जवान ने दी जान

मुरादाबाद । पीएसी 9वीं वाहिनी में तैनात सिपाही ने सरकारी आवास की छत में लगे कुंडे में कपड़े का फंदा लगाकर जान दे दी। खबर सुनकर पीएसी परिसर में हड़कंप मच गया। साथियों ने बंद दरवाजा तोड़कर स्थानीय पुलिस को सूचना दी। पीएसी के कंपनी कमांडर ने उतारा गया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। क्षेत्र के भटीपुरा निवासी विकास गौतम नौवीं वाहनी पीएसी में आईटीआई थी। सोमवार सुबह परेड ग्राउंड में प्रशिक्षु सिपाहियों की गिनती कर बात कहकर सरकारी आवास पर चला गया था। कुछ समय बाद उसके दस दिन की छुट्टी के बाद लौटे थे)जब कमरे पर पहुंचे तो दरवाजा अंदर खुला और न कोई आवाज आई। इसके बाद विपिन ने अन्य जवानों को तो विकास का शव फंदे से लटका हुआ था। यह देखकर कुछ जवानों अधिकारियों और स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस को मौके आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। एसपी सिटी कुमार जांच की जा रही है तथा परिजनों और साथियों से पूछताछ की जा रही खुलासा हो सकेगा। बहनों की शादी के बाद तीन को लौटा था अपनी दो बहनों रश्मि और शिवानी की शादी के बाद तीन अप्रैल को हंसी खुशी शादी में शामिल हुआ था। बताया कि विकास की शादी के की शादी करने की बात कहता था।

भाई को जानकारी दी। भाई के सामने फंदे से शव पुलिस जांच कर रही है। मेरठ जिले के किठौर थाना के पद पर कार्यरत था। 2019 में उसे नौकरी मिली उन्हें प्रशिक्षण देने के बाद विकास कपड़े बदलने की साथ रहने वाले साथी जवान विपिन कुमार(जो करीब से बंद मिला। कई बार आवाज देने के बावजूद कमरा बुलाया। जवानों ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया की चीख निकल गई और रोने लगे। तत्काल वरिष्ठ से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। फिलहाल रणविजय सिंह ने बताया कि मामले की हर पहलू से है। जांच के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का विकास- विकास गौतम हाल ही में एक अप्रैल को लौटकर आया था। भाई आकाश ने बताया कि वह लिए पिता चिंतित थे, लेकिन वह पहले दोनों बहनों

संक्षिप्त समाचार

मुट्ठी में थी टॉफी, पोल में उतरा करंट और चूस गया मासूम का खून, बुझ गया इकलौता चिराग

कटघर क्षेत्र में छह साल का इस्माइल टॉफी लेने के बाद लौटते समय करंट वाले पोल की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौत हो गई। चार बहनों के इकलौते भाई की मौत से परिवार में मातम छा गया।मुरादाबाद में छह साल का इस्माइल घर के पास की दुकान से टॉफी लेने गया था। वहां से लौटते समय सड़क किनारे खड़े पोल को पकड़कर खड़ा हो गया। पोल में करंट था और मासूम इस्माइल उसकी चपेट में आ गया। परिवार वाले दिल्ली रोड स्थित अस्पताल लेकर भी पहुंचे लेकिन वहां मृत घोषित कर दिया गया। इस्माइल चार बहनों का इकलौता भाई था। उसकी मौत से परिवार में कोहराम मच गया है।कटघर थाना क्षेत्र के छोटी मंडी निवासी इसरार हुसैन ई-रिक्शा चालक हैं। इसरार की चार बेटियां हैं और पांच साल का एक बेटा इस्माइल था। परिवार वालों का कहना है कि सोमवार की रात करीब आठ बजे इस्माइल अपने घर से पांच रुपये लेकर पास की दुकान से टॉफी खरीदने गया था। दुकान से लौटते समय उसने सड़क किनारे खड़ा एक पोल पकड़ लिया। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आकर झुलस गया और दूर जाकर गिरा। इस हादसे से मौके पर अफरातफरी मच गई। इसरार, उसकी पत्नी और बेटियां भी घर से बाहर निकल आई। परिजन बच्चे को झुलसी हालत में लेकर दिल्ली रोड स्थित निजी अस्पताल पहुंच गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि जब उसे घर वाले अस्पताल लेकर पहुंचे तो दो टॉफी उसके हाथ में ही थीं। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि परिजनों ने बच्चे के शव का पोस्टमार्टम कराने से इन्कार कर दिया है। बिजली वाले बोले...टेलीफोन का था पोल- कटघर बिजली स्टेशन के एसएसओ वीरेंद्र सिंह ने बताया कि जिस पोल की चपेट में बच्चा आया था वह पोल बिजली विभाग का नहीं बल्कि टेलीफोन का था। अब वहां करंट कैसे आया इसकी पूरी जानकारी नहीं है। वहीं लोगों का कहना है कि इस पोल के बगल में एक बिजली का खंभा है। हो सकता है कि उसका कोई तार इस पोल के संपर्क में आ गया हो। लोगों में बिजली विभाग के खिलाफ आक्रोश- छोटी मंडी में करंट से बच्चे की मौत की जानकारी मिलने पर मोहल्ले के लोग इकट्ठा हो गए और बिजली विभाग के खिलाफ हंगामा किया। लोगों का कहना है कि मोहल्ले के तीन खंभों में करंट उतर रहा है। इसकी शिकायत बिजली विभाग में की गई थी लेकिन बिजली विभाग के कर्मचारी और अधिकारियों ने कोई ध्यान नहीं दिया। लोगों का कहना है कि बिजली विभाग की ओर से इस शिकायत को गंभीरता से ले लिया होता तो शायद बच्चा आज जिन्दा होता। मोहल्ले के फहीम, इमरान, मेहराजुद्दीन ने बताया कि यहां आए दिन हादसे होते रहते हैं। लेकिन विभाग ध्यान नहीं देता।

आजम-अब्दुल्ला की अपील पर सुनवाई पूरी, 20 अप्रैल को आएगा फैसला

दो पैन कार्ड मामले में सपा नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम की सजा के खिलाफ दायर अपील पर सोमवार को सेशन कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई। अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस मामले में निर्णय 20 अप्रैल को कोर्ट सुनाएगा।मामला वर्ष 2019 में भाजपा नेता आकाश सक्सेना द्वारा दर्ज कराए गए मुकदमे से जुड़ा है। आरोप है कि अब्दुल्ला आजम ने अलग-अलग जन्म तिथियों के आधार पर दो पैन कार्ड बनवाए थे। इस प्रकरण में आजम खान की भूमिका भी जांच के दायरे में आई थी। इससे पहले एमपी-एमएलए कोर्ट ने 17 नवंबर 2025 को इस मामले में फैसला सुनाते हुए आजम खान और अब्दुल्ला आजम को दोषी ठहराया था। अदालत ने दोनों को सात-सात साल के कारावास की सजा सुनाई थी, साथ ही 50-50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया था।एमपी-एमएलए कोर्ट के फैसले के बाद 25 नवंबर 2025 को दोनों की ओर से सेशन कोर्ट में अपील दाखिल की गई थी। फिलहाल आजम खान और अब्दुल्ला आजम रामपुर जिला जेल में निरुद्ध हैं। सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष और अभियोजन पक्ष ने अपने-अपने तर्क विस्तार से प्रस्तुत किए। अदालत ने सभी दलीलों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखने का आदेश दिया। 20 अप्रैल को मामले में फैसला सुनाया जाएगा।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

जिलाधिकारी ने पूरनपुर मण्डी में स्थापित गेहूं क्रय केन्द्रों का किया औचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत /पीलीभीत जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव के साथ आज पूरनपुर मण्डी में स्थापित गेहूं क्रय केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मण्डी में स्थापित क्रय केन्द्रों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। केन्द्रो पर उपस्थित केन्द्र प्रभारियों एवं किसानों से संवाद कर उनकी समस्याओं से अवगत होते हुए गेहूँ की तौल की जानकारी प्राप्त की व गेहूँ खरीद को दैनिक लक्ष्य के अनुरूप करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि किसानों को किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े इसके लिए सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली जाए। उन्होंने क्रय केन्द्रों पर बारदाना, कांटा बांट, नमी मापक यंत्र आदि के बारे में केन्द्र प्रभारियों से जानकारी प्राप्त करते हुए उन्होंने केन्द्र प्रभारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि गेहूँ खरीद के उपरान्त उनका पूर्ण दायित्व है कि गेहूँ का भण्डारण कराना सुनिश्चित करें। गेहूँ खरीद में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये, प्रतिदिन मानक के अनुरूप गेहूँ की खरीददारी सुनिश्चित की जाय तथा किसानों का भुगतान उनके खाते में सीधे भेजा जाये। उन्होंने केन्द्रों पर किसानों को बैठने सहित अन्य सुविधा मुहैया कराने हेतु निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी पूरनपुर सहित अन्य अधिकारी एवं केन्द्र प्रभारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

यक्ष ऐप बना बरेली पुलिस का मजबूत हथियार, अपहरण कांड का खुलासा, चोरी की घटनाएं भी सुलझीं

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। पुलिस उपमहानिरीक्षक परिक्षेत्र अजय कुमार साहनी, के कुशल निर्देशन में परिक्षेत्र के सभी जनपदों में 'यक्ष ऐप' का प्रभावी और निरंतर उपयोग किया जा रहा है।

इस अत्याधुनिक एप के माध्यम से गिरफ्तार अपराधियों के फोटो, फिंगरप्रिंट, वॉयस सैंपल, आपराधिक इतिहास सहित अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों का नियमित रूप से संकलन और फीडिंग की जा रही है। यही वजह है कि अपराध नियंत्रण और मामलों के खुलासे में पुलिस को लगातार सफलता मिल रही है।

इसी क्रम में बरेली पुलिस ने 'यक्ष ऐप' की मदद से दो बड़ी घटनाओं का सफल अनावरण किया है- पहली घटना दिनांक

5 अप्रैल 2026 को थाना सीबीगंज क्षेत्र में एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर खड़े कैन्टर से टकरा गई। इसके पीछे आ रही बाइक भी बोलेरो से जा भिड़ी।

इस दर्दनाक हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग-एक युवक और दो मासूम बच्चे-घायल हो गए।

पुलिस ने जब मृतकों के मोबाइल फोन और 'यक्ष ऐप' के जरिए उनकी जानकारी खंगाली, तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। मृतक मनमोहन, सिकंदर, विशेष और घायल युवक प्रिंस हत्या, डकैती और लूट जैसे गंभीर अपराधों में पहले से लिप्त थे।

आगे की जांच और पूछताछ में पता चला कि इन अपराधियों ने 4 अप्रैल को गुरुग्राम से मनोज नामक व्यक्ति और उसके दो बच्चों का अपहरण किया था। घायल मिले दोनों बच्चे वही अपहृत बच्चे निकले, जबकि उनके पिता को फरीदपुर में एक मकान में बंधक बनाकर रखा गया था।

पुलिस की सतर्कता और 'यक्ष ऐप' की मदद से न सिर्फ इस मामले का खुलासा हुआ, बल्कि अपहृत पिता और बच्चों को सकुशल बरामद भी कर लिया गया।

दूसरी घटना दिनांक 31 मार्च 2026 को थाना बारादरी क्षेत्र में घर में घुसकर बुलेट मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और चांदी का ब्रेसलेट चोरी होने की घटना सामने आई थी। इस मामले का खुलासा भी सीसीटीवी फुटेज और 'यक्ष ऐप' की मदद से किया गया। पुलिस ने शातिर अभियुक्त सिकंदर उर्फ छोटा और उसके साथी मुकेश को गिरफ्तार कर लिया।

'यक्ष ऐप' बरेली पुलिस के लिए एक प्रभावी तकनीकी हथियार साबित हो रहा है, जो अपराधियों तक तेजी से पहुंच बनाने और जटिल मामलों को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

नाली निर्माण में घटिया सामग्री के आरोप, जिम्मेदारों के बयानों में विरोधाभास

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत / अमरिया विकासखंड की ग्राम पंचायत गूलर भोज में चल रहे नाली निर्माण कार्य को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। निर्माण कार्य में घटिया सामग्री के उपयोग के आरोप सामने आए हैं, जिससे ग्रामीणों में असंतोष व्याप्त है। मौके पर मौजूद श्रमिकों ने बताया कि नाली निर्माण का कार्य ग्राम पंचायत स्तर से कराया जा रहा है। हालांकि, निर्माण की गुणवत्ता को लेकर स्थानीय लोगों ने सवाल उठाए हैं और कार्य में अनियमितताओं की आशंका जताई है। वहीं, मामले में ग्राम प्रधान आरिफ से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका फोन नहीं उठ सका, जिससे स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई। दूसरी ओर, ग्राम विकास अधिकारी शिखा सिंह ने बताया कि उक्त निर्माण कार्य ग्राम पंचायत स्तर से नहीं, बल्कि क्षेत्र पंचायत स्तर से कराया जा रहा है। अधिकारियों और स्थानीय स्तर के बयानों में इस विरोधाभास ने मामले को और उलझा दिया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है, ताकि निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके और सरकारी धन के दुरुपयोग पर रोक लगाई जा सके।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व की तैयारियां तेज, 19 अप्रैल को जनपद भर में होंगे भव्य आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत / पीलीभीत, 07 अप्रैल। शासन के निर्देशों के क्रम में जनपद में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के भव्य आयोजन की तैयारियां तेज हो गई हैं। यह पर्व वर्ष 1026 ई. में सोमनाथ मंदिर पर हुए प्रथम आक्रमण के 1000 वर्ष एवं मंदिर के पुनरुद्धार के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनाया जा रहा है। प्रदेश स्तर पर इसकी संभावित तिथि 19 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है। शासनादेश के अनुसार, पर्व से पूर्व जनपद के सभी शिवालयों में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। साथ ही शिवालयों में मंत्रोच्चार, ओंकार जप, महाआरती, रुद्राभिषेक, दीपोत्सव, संकल्प संवाद, प्रवचन एवं भजन संध्या जैसे धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी से किया जाएगा। जिला पंचायत राज अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद की सभी ग्राम पंचायतों में आयोजन की जिम्मेदारी तय कर दी गई है। विकास खंड स्तर पर सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) तथा ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम प्रधान को पूर्ण रूप से उत्तरदायी बनाया गया है। निर्देश दिए गए हैं कि सभी ग्राम पंचायतों में शिवालयों का चिन्हीकरण कर समय से स्वच्छता कार्य पूर्ण कराया जाए और 19 अप्रैल से पूर्व सभी कार्यक्रम सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हों। आयोजन में जनप्रतिनिधियों, संत-महात्माओं एवं संन्यासियों को आमंत्रित कर कार्यक्रम को भव्य स्वरूप दिया जाएगा। प्रशासन ने जनपदवासियों से अपील की है कि इस ऐतिहासिक अवसर पर अधिक से अधिक सहभागिता कर कार्यक्रमों को सफल बनाएं।

भूल न जाना, एचपीवी वैक्सीन ज़रूर लगवाना : डॉ. विश्राम सिंह

एसआरएमएस-आईएमएस में नि:शुल्क एचपीवी टीकाकरण सत्र आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर भोजीपुरा ब्लॉक में एचपीवी टीकाकरण अभियान की शुरुआत की गई। इस दौरान राममूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (SRMS-IMS) की टीकाकरण क्लिनिक में पाँच किशोरियों को एचपीवी (HPV) वैक्सीन लगाई गई। इस मौके पर प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष (बाल रोग) डॉ. वंदना नेगी ने किशोरियों के स्वास्थ्य के लिए एचपीवी टीके के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समय पर टीकाकरण गंभीर बीमारियों से बचाव का प्रभावी माध्यम है।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह ने जानकारी दी कि नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम - ICMR 2024 के अनुसार देश में हर साल लगभग 78 हजार नए कैंसर के मामले सामने आते हैं, जिनमें 42 हजार से अधिक महिलाओं की मृत्यु हो जाती है। उन्होंने बताया कि करीब 99% मामलों का मुख्य कारण 'ह्यूमन पैपिलोमा वायरस' है, जिसे एक साधारण वैक्सीन से रोका जा सकता है।

उन्होंने सभी चिकित्सकों से अपील की कि वे अपनी ओपीडी में आने वाले अभिभावकों को इस वैक्सीन के प्रति जागरूक करें और उनकी शंकाओं का वैज्ञानिक आधार पर समाधान करें। उन्होंने इस अभियान को जन-आंदोलन बनाने पर जोर देते हुए संदेश दिया- भूल न जाना, एचपीवी वैक्सीन ज़रूर लगवाना।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. प्रशांत रंजन ने बताया कि अब तक जनपद में 1145 किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन लगाई जा चुकी है। सर्वाधिक 131 टीकाकरण सीएचसी मीरगंज में हुए, जबकि नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जगतपुर में 110, जिला महिला चिकित्सालय में 93, पीएचसी रामनगर में 86 और सीएचसी फतेहगंज में 82 किशोरियों का टीकाकरण किया गया।

प्रोफेसर डॉ. मनोज टांगरी (स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग) ने एचपीवी संक्रमण के खतरों और उससे बचाव में वैक्सीन की भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी। वहीं, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अभिनव पांडे (कम्युनिटी मेडिसिन) ने कहा कि यह देशव्यापी अभियान एचपीवी संक्रमण के बोझ को कम करने और मृत्यु दर घटाने में मील का पत्थर साबित होगा।

राज्य तकनीकी प्रबंधक फैजान अली ने बताया कि अब तक 165 देशों में 50 करोड़ से अधिक लोगों को यह वैक्सीन लगाई जा चुकी है।

यह पहल न केवल स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा दे रही है, बल्कि भारत सरकार के कैंसर मुक्त भविष्य के संकल्प को भी मजबूती प्रदान कर रही है। संस्थान ने भविष्य में भी ऐसे जन-हितैषी अभियानों को जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई है।

सुभाषनगर पुलिस से हुई मुठभेड़ में बदमाश के दोनों पैरों में लगी गोली

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर को लूट और छिनैती जैसी घटनाओं से आतंकित करने वाले बदमाश को पुलिस ने घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में बदमाश को दोनों पैरों में गोली लगी। पुलिस के मुताबिक पकड़ा गया बदमाश ने बीते अलग-अलग इलाकों में हुई छिनैती की घटनओं में शामिल था।पुलिस के अनुसार मंगलवार तड़के सुभाषनगर पुलिस सूचना मिली थी कि पराग फैक्ट्री के पास स्कूटी सवार दो महिलाओं से अपने साथी के साथ मिलकर मोबाइल और पर्स छीनने वाला करगैना चौकी इलाके में घूम रहा है। आरोपी किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में था। लिहाजा पुलिस फतेहपुर रोड इटौआ मोड़ पर बदमाश की घेराबंदी की। खुदको घिरता देख उसने पुलिस पर ही फायर झोंक दिया और भागने लगा। जवाबी फायरिंग बदमाश को दोनों पैरों में गोली लगी। ग्राम सुकाली थाना शाही के रहने वाले बदमाश संजू उर्फ रघु को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपी 9 मार्च को इज्जतनगर क्षेत्र के नैनीताल रोड, 12 मार्च को बुखारा मोड़ और 13 मार्च को पराग फैक्ट्री के पास छिनैती की घटनाओं में शामिल था। फिलहाल घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने बदमाश के पास से 1 तमंचा, 2 जिन्दा कारतूस, 2 खोखा कारतूस, घटना में इस्तेमाल बाइक व मोबाइल आदि बरामद किया।

कोहाड़ापीर धर्मकांटा रोड पर चला बुलडोजर, अतिक्रमण हटाने पर व्यापारियों में भारी आक्रोश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। मंगलवार को %सीएम ग्रिड योजना% के तहत शहर की सड़कों को आधुनिक और चौड़ा बनाने की कवायद ने उस समय उग्र रूप ले लिया, जब नगर निगम की टीम भारी पुलिस बल के साथ कोहाड़ापीर पेट्रोल पंप से धर्मकांटा चौराहे तक अतिक्रमण हटाने पहुंची। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य के नेतृत्व में प्रशासन ने सड़क किनारे बने अवैध निर्माणों और कुछ धार्मिक स्थलों की दीवारों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। इस अचानक हुई कार्रवाई से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते बड़ी संख्या में व्यापारी और स्थानीय निवासी विरोध में सड़कों पर उतर आए। स्थिति को बिगड़ने से रोकने के लिए मौके पर मजिस्ट्रेट के साथ भारी पुलिस बल तैनात रहा, जिसके साये में घंटों तक ध्वस्तीकरण का अभियान जारी रहा।

अभियान के दौरान प्रभावित दुकानदारों ने नगर निगम प्रशासन पर तानाशाही का आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की। व्यापारियों का तर्क है कि उन्हें अपना सामान हटाने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया और न ही उनके रोजगार को बचाने के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई, जिससे उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। विरोध और हंगामे के चलते पूरे क्षेत्र में घंटों तनाव की स्थिति बनी रही, लेकिन पुलिस की सख्ती के आगे प्रदर्शनकारी बेबस नजर आए। दूसरी ओर, नगर निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यातायात को सुगम बनाने और शहर के सौंदर्यीकरण के लिए यह सड़क चौड़ीकरण अनिवार्य है, और सरकारी काम में बाधा डालने वालों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया जाएगा।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

तेज हवा और बूंदाबांदी से तापमान में ठंडक,आंधी के खौफ से किसान परेशान

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। मंगलवार सुबह से ही फिजा में ठंडक महसूस की गई। सूरज की लुकाछिपी दोपहर तक जारी रही। वहीं दोपहर 2 बजे बाद मौसम ने पूरी तरह करवट ली और आसमान घने बादल छा गए। काफी देर तक तेज हवाएं चलीं और फिर हल्की बूंदाबांदी ने लोगों को राहत दी। दोपहर के वक्त 36 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। वहीं तेज हवाओं ने किसानों के माथे पर शिकन जरूर पैदा कर दी। दो दिन पहले चली आंधी किसानों को काफी नुकसान पहुंचाया था।

भीषण आंधी और बेमौसम बारिश ने जिले के सैकड़ों किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया था। फसल बीमा कंपनी की शुरुआती जांच और सर्वे के मुताबिक, बहेड़ी, फरीदपुर और आंवला तहसीलों में कुदरत का सबसे ज्यादा प्रकोप देखा गया है। जिले में लगभग पौने दो लाख हेक्टेयर भूमि पर गेहूं की खेती होती है, जिसमें से प्राथमिक अनुमानों के अनुसार करीब 20 फीसदी फसल को नुकसान पहुंचने की आशंका है।

सीडीओ ने किया औचक निरीक्षण

ट्रांजिट हॉस्टल की व्यवस्थाओं को लेकर दिए सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली।जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय, गोपालपुर (भोजीपुरा) में बने ट्रांजिट हॉस्टल का मंगलवार को मुख्य विकास अधिकारी देवयानी यादव ने अचानक स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, आवश्यक व्यवस्थाओं और अधूरे कार्यों का बारीकी से जायजा लिया।

इस मौके पर हस्तांतरण समिति के अधिकारियों के साथ सिड्को, लोक निर्माण विभाग (PWD), सिंचाई विभाग और विद्युत वितरण खंड-प्रथम के अधिकारी भी मौजूद रहे। सीडीओ ने सभी विभागों से निर्माण कार्य और सुविधाओं की स्थिति के बारे में जानकारी ली और जहां कमी मिली, उसे जल्द दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान देवयानी यादव ने ट्रांजिट हॉस्टल में बिजली, पानी, सुरक्षा और अन्य बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि हॉस्टल के हस्तांतरण से पहले सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह दुरुस्त कर ली जाएं, ताकि उपयोग के समय किसी तरह की परेशानी न हो।

सीडीओ ने कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण कराने और नियमित निगरानी रखने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के बाद संबंधित विभागों में जरूरी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

गैस सिलेंडर न मिलने से नाराज दर्जनों महिलाओं और उपभोक्ताओं ने मुख्य मार्ग पर जाम लगा

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप /फर्रुखाबाद/ फर्रुखाबाद शहर के लाल सराय क्षेत्र में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब गैस सिलेंडर न मिलने से नाराज दर्जनों महिलाओं और उपभोक्ताओं ने मुख्य मार्ग पर जाम लगा दिया। उपभोक्ताओं का आरोप है कि वे पिछले कई दिनों से एजेंसी के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उन्हें खाली हाथ वापस भेज दिया जाता है। प्रमुख बिंदु- स्थान नेशनल गैस सर्विस लाल सराय, फर्रुखाबाद कारण बुकिंग के बावजूद 3-4 दिनों से सिलेंडर की डिलीवरी न होना। अधिकारी- डीएसओ (DSO) सुरेंद्र कुमार और सदर कोतवाली पुलिस। हंगामे और बहस की स्थिति मंगलवार सुबह से ही %नेशनल गैस सर्विस% पर सिलेंडर लेने वालों की लंबी कतारें लगी थीं। जब उपभोक्ताओं को पता चला कि आज भी वितरण नहीं होगा, तो उनका धैर्य जवाब दे गया। महिलाओं ने बीच सड़क पर बैठकर प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों की पुलिस और जाम में फंसे राहगीरों के साथ तीखी बहस भी हुई। प्रबंधन का पक्ष-एजेंसी प्रबंधक के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से गैस की सप्लाई पीछे से ही बाधित है। उन्होंने बताया कि उच्च अधिकारियों को स्थिति से अवगत करा दिया गया है और स्टॉक आते ही प्राथमिकता के आधार पर बुकिंग वाले उपभोक्ताओं को सिलेंडर वितरित किए जाएंगे। प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद खुला जाम जाम की सूचना मिलते ही डीएसओ सुरेंद्र कुमार दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने आक्रोशित लोगों को आश्वासन देते हुए कहा- > गैस की गाड़ी आज पहुंच रही है। जिन उपभोक्ताओं की बुकिंग पहले से है, उनके पते पर जल्द ही सिलेंडर भिजवाने की व्यवस्था की जाएगी। अधिकारी के भरोसे के बाद उपभोक्ताओं ने प्रदर्शन समाप्त किया, जिसके बाद पुलिस ने यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से बहाल करा

दवा लेने गया था पति, पीछे 5 मासूमों को बिलखता छोड़ माँ ने लगा ली फांसी

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप /फर्रुखाबाद/ कायमगंज क्षेत्र के खजुरिया गांव से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहाँ एक 35 वर्षीय महिला ने अपनी गंभीर बीमारी से परेशान होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान चांदनी के रूप में हुई है, जो अपने पीछे पांच मासूम बच्चों को रोता-बिलखता छोड़ गई हैं। घटना का विवरण - जानकारी के अनुसार, चांदनी पिछले दो वर्षों से एक गंभीर बीमारी से ग्रसित थीं। उनका उपचार लगातार चल रहा था, लेकिन स्वास्थ्य में सुधार न होने के कारण वह काफी तनाव में रहती थीं। घटना के वक्त चांदनी के पति, प्रमोद कुमार, अपनी पत्नी के लिए दवा लेने बाहर गए हुए थे। घर पर चांदनी की 15 साल की छोटी बहन नीलम और उनके पांचों बच्चे मौजूद थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अचानक चांदनी ने खुद को कमरे के अंदर बंद कर लिया। नीलम ने उन्हें रोकने की काफी कोशिश की और गुहार लगाई, लेकिन चांदनी ने दरवाजा नहीं खोला और साड़ी का फंदा बनाकर अपनी जान दे दी। ग्रामीणों और पुलिस की कार्रवाई शोर मचने पर स्थानीय ग्रामीण इकट्ठा हुए और दरवाजा तोड़कर चांदनी को फंदे से नीचे उतारा, लेकिन तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। क्षेत्राधिकारी राजेश कुमार द्विवेदी ने मीडिया को बताया- प्रथम दृष्टया यह मामला बीमारी से परेशान होकर की गई आत्महत्या का लग रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर दिया है और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की गहराई से जांच की जा रही है। परिवार में शोक की लहर चांदनी का मायका बदायूं जनपद के ओसावा थाना क्षेत्र के गिउड़ी गांव में था। उनकी शादी लगभग आठ वर्ष पहले प्रमोद कुमार से हुई थी। चांदनी की मौत के बाद उनके बच्चों- हर्षिता, गुनगुन, ऋषि, राबिया और अंश. का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में इस घटना के बाद से मातम पसरा हुआ है।

टी0बी0 मुक्त प्रदेश बनाने हेतु अस्पतालों पर निःशुल्क, जाँच, इलाज, निक्षय पोषण योजना व परामर्श की मिल रही है सुविधा

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत / क्षय रोग एक जानलेवा बीमारी है, जिसके कारण लाखों लोगों को प्रतिवर्ष जान गंवानी पड़ती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 2030 तक विश्व से क्षय उन्मूलन का लक्ष्य तय किया है। भारत के मा0 प्रधानमन्त्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने इस चुनौती को स्वीकार करते हुए देश से क्षय रोग को उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को पाने के लिए संचालित प्रधानमंत्री टी0बी0 मुक्त भारत अभियान के तहत प्रदेश की समस्त स्वास्थ्य इकाइयों पर 15 दिसंबर, 2022 को पहला निक्षय दिवस मनाया गया। टी0बी0 मरीजों की शीघ्र पहचान, गुणवत्तापूर्ण इलाज और निक्षय पोषण योजना का लाभ दिलाने के उद्देश्य से इसकी शुरुआत की गई है।प्रदेश के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर 15 दिसंबर, 2022 को मनाये गए पहले निःक्षय दिवस पर ओपीडी में आये लगभग 2,80,176 मरीजों में से लगभग 31,696 संभावित मरीजों की स्क्रीनिंग की गयी। इनमें से 21,680 सैम्पल लिए गए, जिनमें से 14,802 सैम्पल की जांच रिपोर्ट में 608 लोगों में क्षय रोग की पुष्टि हुयी थी। इसके बाद से प्रदेश में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम का प्रदेश में सफलतापूर्वक क्रियान्यन किया जा रहा है। प्रदेश में प्रत्येक माह की 15 तारीख को टीबी, कालाजार, फाइलेरिया, कुष्ठ रोग के लिए एकीकृत निःक्षय दिवस मनाया जा रहा है, जिसमें मरीजों की जाँच की जा रही है। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदेश में प्रयोगशाला जांच नेटवर्क में 2017 के सापेक्ष 2025 में सुधार हुआ है और नेटवर्क 141 से बढ़कर 930, कल्चर 5 से बढ़कर 141 हो गया है। प्रदेश में 8 नए टीबी कल्चर लैब्स की स्थापना की गई है। वर्तमान में प्रदेश में 14 टीबी कल्चर लैब क्रियाशील है। जिनमें मरीजों के बलगम आदि की जाँच की जा रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत रोगियों को प्रतिमाह दी जाने वाली धनराशि में दिनांक 01 नवंबर, 2024 से रु0 500 प्रतिमाह की वृद्धि कर दी है। क्षय रोगियों के खातों में सीधे धनराशि भेजी जा रही है। प्रदेश में 2015 के सापेक्ष टीबी मृत्यु दर में 90 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। प्रदेश में 2018 से 2025 तक क्षय रोगियों के खातों में रू0 1,022 करोड़ की धनराशि पोषण हेतु स्थानांतरित की गई है। प्रदेश में 2022 से 2025 तक 95,000 निक्षय मित्रों द्वारा पोषण तथा सामाजिक सहायता क्षय रोगियों को दी गई है। वर्तमान तक लगभग 9.69 लाख पोषण पोटली रोगियों को दी जा चुकी। प्रदेश की आशा कार्यकर्त्रियाँ दो सप्ताह या अधिक समय से खांसी वाले, दो सप्ताह या अधिक समय से बुखार वाले, वजन में कमी वाले भूख न लगने और बलगम से खून आने वाले संभावित टी0बी0 मरीजों की सूची तैयार कर उन्हें हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर तक लाने का कार्य कर रही है। कम्युनिटी हेल्थ आफिसर (सी0एच0ओ0) द्वारा मरीजों की प्रारम्भिक जांच एच0आई0वी0, डायबिटीज और अन्य जांच सुनिश्चित की जाती है। इसके अलावा बलगम का नमूना लेकर उसे निक्षय पोर्टल पर प्रिजमटि व आई0डी0 बनाते हुए नजदीकी टी0बी0 जांच केंद्र पर भेजते हुए उनका इलाज किया जा रहा है। निक्षय दिवस पर स्वास्थ्य इकाई पर आने वाले संभावित टी0बी0 मरीजों की सूची के अनुसार उनकी जांच करायी जाती है। एच0आई0वी0 डायबिटीज की भी जाँच करायी जा रही है। स्वास्थ्य इकाइयों पर सम्भावित मरीजों के बैठने की खुली जगह की व्यवस्था और इकाई के बाहर खुले स्थान पर बलगम के नमूने लेने के लिए कफ कार्नर बनाया गया है। क्षय रोगियों के लिए हर जरूरी दवाएं भी स्वास्थ्य इकाइयों पर उपलब्धता और प्रत्येक स्वास्थ्य इकाई पर टी0बी0 की जाँच, उपचार के बारे में परामर्श की भी व्यवस्था की गई है।

बरेली की डॉ रुचि सक्सेना बनी ब्रांड अम्बेसडर, भव्या फाउंडेशन का सम्मान समारोह जयपुर में हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। अंतर्राष्ट्रीय मैत्री सम्मलेन और ग्लोबल डायमंड आइकॉन अवार्ड रविवार पांच अप्रैल, को भव्या फाउंडेशन के तत्वाधान में देश,विदेश और प्रदेश की 200 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। जिनमे उत्तर प्रदेश बरेली से डॉ रुचि सक्सेना द्वारा कला क्षेत्र में सम्मानित किया गया। आइकॉन अवार्ड -2026 समारोह का आयोजन सुबह 10.00 बजे से सुरेश ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी- जगतपुरा - जयपुर के कालिंदी ऑडिटोरियम में संपन्न किया गया ।जिसमें देश, विदेश और प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष मुकाम हासिल करने वाले 200 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया ।भव्या फाउंडेशन के संस्थापक शैलेन्द्र माथुर और निदेशक डॉ. निशा माथुर ने बताया की इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रख्यात समाजसेवी एवं उद्यमी अशोक माहेश्वरी जयपुर से और सर्वोच्च न्यायालय के एडवोकेट राजीव कुमार रंजन, नई दिल्ली द्वारा दीप प्रज्वलन करके प्रोग्राम का शुभारम्भ किया।

कार्यक्रम में डॉ. नीता शर्मा - मिसेज इंडिया -2022 (फर्स्ट रनर अप) द्वारा डॉ. रूचि सक्सेना को भव्या फाउंडेशन के ब्रांड एम्बेसडर का ताज पहनाकर नवाजा गया।

वहीं साहित्यकारों की पुस्तकों का विमोचन भी हुआ। कार्यक्रम का संचालन एंकर आर जे सपना (आकाशवाणी) ने किया ।

समारोह में साहित्य, पत्रकारिता,समाज सेवा, शिक्षा, कला, ज्योतिष, उद्यम, कृषि, फिल्म, फैशन, ज्योतिष व अन्य क्षेत्र में अपने मन, लगन और हिम्मत से विशेष मुकाम हासिल करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया ।

इस अवसर पर भव्या फाउंडेशन की निदेशक निशा माथुर और शैलेन्द्र माथुर ने आगुन्तकों का स्वागत करते हुए संस्था की गतिविधियों पर जानकारी दी।

जहां गौशाला नहीं, वहां कांजी हाउस जैसी व्यवस्था लागू करें - कलेक्टर

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा- कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज आयोजित लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में जिले में पशुओं के प्रबंधन को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि जिन ग्राम पंचायतों में गौशाला संचालित नहीं है, वहां कांजी हाउस की तर्ज पर आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल क्रियान्वित की जाएं।कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि पशुधन के समुचित संरक्षण और सड़कों पर आवारा पशुओं की समस्या के समाधान के लिए यह व्यवस्था जरूरी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे ग्रामों की पहचान कर शीघ्र वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे पशुओं को सुरक्षित स्थान पर रखा जा सके।

बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने विशेष रूप से जिले के सीमा क्षेत्रों पर स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग एवं स्टेट हाईवे पर पशुओं के विचरण को रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कों पर पशुओं के घूमने से दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है, जिसे गंभीरता से लिया जाना आवश्यक है।निर्देशानुसार, यदि कहीं भी हाईवे या स्टेट हाईवे पर पशु विचरण करते पाए जाते हैं, तो संबंधित ग्राम पंचायत की जिम्मेदारी होगी कि वह उन पशुओं को पकड़कर निकटतम गौशाला या कांजी हाउस तक पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करे।कलेक्टर ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि इस व्यवस्था की नियमित निगरानी की जाए और लापरवाही की स्थिति में संबंधितों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यह पहल पशुधन संरक्षण के साथ-साथ सड़क सुरक्षा के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

संक्षिप्त समाचार

मध्यस्थता अभियान 2.0: पीलीभीत में 212 वादों का सुलह-समझौते से निस्तारण

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत / जनपद में 'मध्यस्थता अभियान 2.0' के तहत बड़ी सफलता हासिल हुई है। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के माध्यम से राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं सर्वोच्च न्यायालय की मीडिएशन एवं कन्सीलियेशन प्रोजेक्ट कमेटी के तत्वाधान में आयोजित इस अभियान का संचालन जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पीलीभीत के निर्देशन में किया गया। पूर्णकालिक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री सतीश कुमार की देखरेख में चले इस अभियान के दौरान जनपद के विभिन्न न्यायालयों से कुल 3141 वाद मध्यस्थता केन्द्र को संदर्भित किए गए। इनमें से लगभग 212 मामलों का सफल निस्तारण आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से कराया गया। निस्तारित मामलों में मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण के 65, परिवार न्यायालय के 123 तथा अन्य न्यायालयों के 24 वाद शामिल हैं। इन मामलों में पारिवारिक विवाद, सिविल, आपराधिक, एनआई एक्ट एवं प्रतिकर संबंधी प्रकरणों का समाधान कराया गया। इस पहल से न केवल न्यायालयों में लंबित मामलों का बोझ कम हुआ है, बल्कि पक्षकारों को त्वरित और सौहार्दपूर्ण न्याय भी मिला है। प्रशासन ने इसे जनपद में वैकल्पिक विवाद निस्तारण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

मझगवां विकास खण्ड में महिला कल्याण योजनाओं का कैम्प, आज जनकल्याण योजना हेतु

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। - विकास खण्ड मझगवां, जनपद बरेली में महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में एक विशेष कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इस कैम्प में पति की मृत्यु उपरांत निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड/सामान्य) सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। कैम्प के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ दिलाने का प्रयास किया जाएगा। इच्छुक एवं पात्र महिलाएं और लाभार्थी मौके पर पहुंचकर आवेदन कर सकते हैं तथा योजनाओं से जुड़ी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। विकास खण्ड मझगवां प्रशासन की ओर से आम जनमानस से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में कैम्प में पहुंचकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं।

स्वस्थ शरीर, शांत मन और सकारात्मक सोच ही एक श्रेष्ठ जीवन की नींव है- ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय ए 33 मुखर्जी नगर सेवा केंद्र द्वारा साईं कालेज आफ नर्सिंग पैरामेडिकल विदिशा में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर शारीरिक मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यक्रम और सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वस्थ मन और स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देना है।विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाने का विचार विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा प्रस्तावित किया गया था ताकि अधिक से अधिक लोग स्वास्थ्य के महत्व के प्रति जागरूक हों और इसे स्वस्थ रखने के लिए उचित उपाय करें। हर साल, हम 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाते हैं जिसका उद्देश्य दुनिया भर के लोगों के स्वास्थ्य में सुधार करना है। ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि ब्रह्माकुमारीज के मेडिकल विंग के तहत राजयोग मेडिटेशन पौष्टिक आहार और नशा मुक्ति के माध्यम से स्वस्थ जीवन शैली, मानसिक तनाव को कम करने एकाग्रता बढ़ाने और सकारात्मक सोच के लिए हमें स्वयं पर ध्यान देना जरूरी है। बीमारियों से बचाव हेतु जागरूकता, योग, राजयोग मेडिटेशन और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाना, मानसिक एवं शारीरिक संतुलन- मानसिक स्वास्थ्य को उतना ही महत्व देना जितना शारीरिक स्वास्थ्य को। स्वास्थ्य सेवाओं में समानता- ग्रामीण एवं वंचित क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करना। सामुदायिक सहभागिता- समाज के हर वर्ग को स्वास्थ्य अभियानों से जोड़ना और उन्हें जागरूक बनाना। विश्व स्वास्थ्य दिवस 2026 हम सभी को यह संदेश देता है कि स्वस्थ शरीर, शांत मन और सकारात्मक सोच ही एक श्रेष्ठ जीवन की नींव है। यह दिवस हमें एकजुट होकर स्वस्थ भारत - श्रेष्ठ भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।स्वास्थ्य व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक और सामाजिक बेहतरी को संदर्भित करता है। ब्रह्माकुमारी रुक्मणी दीदी ने अपनी बात रखते हुए कहा कि 1948 में डब्ल्यू.एच.ओ. ने कहा था कि व्यक्ति की संपूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्थिति को स्वास्थ्य में शामिल किया है न कि केवल बीमारी का अभाव। प्रत्येक व्यक्ति को अपने मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को उतना महत्व देना चाहिए जितना वह अपने शारीरिक स्वास्थ्य को देता है। इस बात की कमी की वजह से अवसाद, उच्च रक्तचाप और तनाव जैसी समस्याएँ जन्म ले रही हैं। सभी उचित आहार योजना का पालन करें जिसमें सभी आवश्यक माइक्रोन्यूट्रेंट्स शामिल हो। धूम्रपान, शराब पीने और ड्रग्स जैसी हानिकारक नशीले पदार्थो के सेवन से बचें, एवं आध्यात्मिकता को अपने जीवन में अपनाएं।

प्यास से जूझ रही पंडो जनजाति: एक माह से बंद सोलर पंप, गंदा पानी पीने को मजबूर आदिवासी

प्रशासन की अनदेखी भारी, महामारी का खतरा मंडराया

क्यूँ न लिखूँ सच/ बिहारपुर/ सूरजपुर जिले के दुर अंचल क्षेत्र चांदनी बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कोल्हूआ के इमलीपारा में रहने वाले विशेष संरक्षित पंडो जनजाति के परिवार आज बुनियादी जरूरत–पानी–के लिए तरस रहे हैं। 100 प्रतिशत पंडो जनजाति बाहुल्य इस बस्ती में पिछले एक महीने से सोलर पंप प्लांट खराब पड़ा हुआ है, जिसके कारण पूरा गांव भीषण जल संकट की चपेट में है।

हालात यह हैं कि ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए दर–दर भटकना पड़ रहा है। मजबूरी में लोग गंदे नदी–नालों का पानी पीने को विवश हैं, जिससे गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। क्षेत्र में लगातार बढ़ती गर्मी ने स्थिति को और भयावह बना दिया है।ग्रामीणों का कहना है कि सोलर पंप खराब होने की सूचना कई बार जिला प्रशासन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग और क्रेड़ा विभाग को दी जा चुकी है, लेकिन जिम्मेदार विभाग अब तक मौन हैं। शिकायतों के बावजूद मरम्मत या वैकल्पिक जल व्यवस्था की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।गौरतलब है कि यह वही क्षेत्र है जहां वर्ष 2017 में मलेरिया, उल्टी–दस्त जैसी बीमारियों का प्रकोप फैल चुका है। ऐसे में दूषित पानी के सेवन से एक बार फिर महामारी फैलने की आशंका से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।पंडो जनजाति को राष्ट्रपति की दत्तक पुत्र जनजाति के रूप में विशेष संरक्षण प्राप्त है, बावजूद इसके इस तरह की उपेक्षा कई सवाल खड़े करती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल सोलर पंप सुधारने एवं स्वच्छ पेयजल की वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग की है।

अब देखना यह होगा कि प्रशासन कब जागेगा और इन आदिवासी परिवारों को राहत कब मिलेगी।

ग्राम पंचायतों को ही मिले 50 लाख तक के कार्यों की एजेंसी: सरपंच संघ का प्रस्ताव

क्यूँ न लिखूँ सच/ सूरजपुर – जिला सूरजपुर सरपंच संघ के तत्वावधान में सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें ग्राम पंचायतों में 50 लाख रुपये तक के विकास कार्यों में पंचायतों को ही एजेंसी बनाए जाने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। बैठक की अध्यक्षता जिला सरपंच संघ के अध्यक्ष अमर सिंह मरकाम ने की। इस दौरान जिला कार्यकारिणी के सदस्य एवं विभिन्न ब्लॉकों के सरपंच संघ पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 50 लाख रुपये तक के निर्माण एवं मरम्मत कार्य ग्राम पंचायतों के माध्यम से ही कराए जाएं। सदस्यों का कहना था कि इससे स्थानीय स्तर पर पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित होगी तथा गांवों का समग्र विकास तेज़ी से हो सकेगा। बैठक में ओडगी ब्लॉक के अध्यक्ष गजमोचन सिंह, सूरजपुर ब्लॉक के रामविलास सिंह, भैयाथान के अनिल सिंह, प्रतापपुर के त्रिभुवन सिंह, बसंतलाल खैरवार, तुलसीराम जायसवाल एवं श्रीमती रनमनिया पैकरा सहित कई वरिष्ठ सरपंच एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक के बाद सरपंच संघ ने कलेक्टर सूरजपुर को ज्ञापन सौंपकर मांग की कि इस निर्णय को जल्द लागू किया जाए। संघ ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। अंत में अध्यक्ष द्वारा सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए बैठक का समापन किया गया।

आजीविका भवन में सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को प्रमाण पत्र वितरित

कौशल विकास से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से अदाणी फाउंडेशन द्वारा आयोजित सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत आज आजीविका भवन में प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का आयोजन आजीविका केंद्र कोलारस में किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव एवं विशेष अतिथि के रूप में जनपद पंचायत कोलारस के अध्यक्ष श्री चौहान उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला परियोजना प्रबंधक (आजीविका मिशन) डॉ. अरविंद भार्गव, अदाणी फाउंडेशन के प्रोजेक्ट मैनेजर अजीत जैन, ब्लॉक मैनेजर संजय चौहान सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

डॉ. अरविंद भार्गव ने अपने संबोधन में बताया कि अदाणी फाउंडेशन द्वारा स्थापित की जा रही फैक्ट्री के माध्यम से स्थानीय महिलाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे, जिसमें स्वयं सहायता समूहों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने महिलाओं को कौशल विकास के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया।

जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव ने कहा कि जिले में महिलाओं के उत्थान, कौशल उन्नयन और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं।

गौरतलब है कि ग्राम बूढ़ा डोंगर में अदाणी फाउंडेशन द्वारा प्रशिक्षण एवं उत्पादन केंद्र का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जहां महिलाओं को इंडस्ट्रियल मशीनों पर सिलाई का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वर्तमान वर्ष में कोलारस केंद्र पर अब तक 113 स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को प्रमाण पत्र वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

ओलावृष्टि से उजड़ा 'पीला सोना', 80% महुआ बर्बाद

सूरजपुर के वनांचल में 10 हजार परिवारों पर संकट, 25 करोड़ से ज्यादा का नुकसान

क्यूँ न लिखूँ सच/चांदनी-बिहारपुर/ पप्पू जायसवाल/ सूरजपुर जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र चांदनी-बिहारपुर में इस वर्ष बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने आदिवासी जीवन की सबसे बड़ी आर्थिक धुरी 'महुआ' को तबाह कर दिया। 'पीला सोना' कहे जाने वाले महुआ की करीब 80 प्रतिशत फसल नष्ट हो गई है, जिससे क्षेत्र के 10 हजार से अधिक परिवार सीधे प्रभावित हुए हैं। यह क्षेत्र ऐसा है जहां 30 से अधिक गांवों के ग्रामीण रबी फसल की खेती नहीं करते, बल्कि पूरे सीजन जंगलों में महुआ संग्रहण कर अपनी आजीविका चलाते हैं। लेकिन इस बार प्रकृति की मार ने उनकी सालभर की कमाई छीन ली। 25 करोड़ का सीधा नुकसान, रोजी-रोटी पर संकट एक अनुमान के मुताबिक, इस बार ओलावृष्टि के कारण क्षेत्र में करीब 25 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। पिछले वर्षों में एक परिवार औसतन 10 क्विंटल महुआ एकत्र कर 45 से 50 हजार रुपये तक कमा लेता था, लेकिन इस बार उत्पादन 80त्न तक घट गया है। पिछले साल 32 करोड़ का हुआ था व्यापार-बीते वर्ष इसी क्षेत्र से करीब 32 करोड़ रुपये का महुआ व्यापार हुआ था। सरगुजा संभाग में सामान्य वर्षों में महुआ का कारोबार 200 करोड़ रुपये तक पहुंचता है, लेकिन इस बार उत्पादन गिरने से व्यापार भी ठप पड़ गया है। सरकारी दाम कम, बाजार में ज्यादा कीमत- छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महुआ का समर्थन मूल्य 30 रुपये प्रति किलो तय किया गया है, जबकि बाजार में यह 45 से 50 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा है।इसी वजह से ग्रामीण सरकारी खरीदी केंद्रों से दूरी बना रहे हैं। महुआ पर टिका है पूरा इलाका-ओड़गी ब्लॉक के चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र की 35 से अधिक ग्राम पंचायतों के लोग पूरी तरह महुआ पर निर्भर हैं। यह इलाका गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के घने जंगलों से घिरा हुआ है, जहां से बड़े पैमाने पर महुआ संग्रहण होता है। एमपी के आदिवासी भी पहुंचते हैं जंगलों में महुआ सीजन में मध्यप्रदेश के सीमावर्ती 8 से अधिक गांवों के आदिवासी भी इस क्षेत्र में संग्रहण के लिए पहुंचते हैं। इससे जंगलों में दोनों राज्यों के लोगों की आवाजाही बढ़ जाती है। खरीदी में भारी गिरावट- स्थानीय व्यापारियों के अनुसार, पहले जहां एक व्यापारी 50 से 100 बोरा महुआ खरीदता था, वहीं इस बार यह घटकर सिर्फ 5 से 10 बोरा रह गया है। 4 साल पहले भेजी गई थी चेतावनी रिपोर्ट-बिहारपुर के रेंजर मेवालाल पटेल ने बताया कि बाजार दर और समर्थन मूल्य में अंतर के कारण ग्रामीण महिला स्व-सहायता समूहों को महुआ नहीं बेचते।- इस संबंध में 4 वर्ष पूर्व ही शासन को रिपोर्ट भेजकर मूल्य बढ़ाने की मांग की गई थी। कोल्ड स्टोरेज में फंसा पुराना माल बड़े व्यापारियों ने पिछले वर्षों में महुआ को कोल्ड स्टोरेज में रखकर ऊंचे दाम का इंतजार किया, लेकिन इस बार कीमत नहीं बढ़ने से पुराना स्टॉक भी अटका हुआ है।

बैराड पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 11.5 लाख की स्मैक के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ शिवपुरी।जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बैराड पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 55.99 ग्राम स्मैक जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जब्त की गई स्मैक की अनुमानित कीमत 11 लाख 50 हजार रुपये बताई जा रही है।धीक्षक श्री अमन सिंह राठौड़ के निर्देशानुसार अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले एवं एसडीओपी पोहरी श्री आनंद राय के मार्गदर्शन में बैराड थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सिद्ध बाबा स्थान, बरोद रोड पर दो युवक स्मैक बेचने की फिराक में खड़े हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर दोनों संदिग्धों को पकड़ लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम आशिक रावत (20) निवासी बैराड एवं टिंकल उर्फ शेरा रावत (20) निवासी कालामढ़ बैराड बताए। तलाशी के दौरान आशिक के पास से 32.29 ग्राम और टिंकल के पास से 23.70 ग्राम स्मैक बरामद की गई। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे पिछले दो वर्षों से स्मैक की बिक्री कर रहे थे। वे शिवपुरी से 3500 रुपये प्रति ग्राम के हिसाब से स्मैक खरीदकर उसे 10 हजार रुपये प्रति ग्राम की पुड़िया बनाकर बेचते थे और मुनाफा आपस में बांट लेते थे। आरोपियों ने अन्य सप्लायरों के नाम भी बताए हैं, जिनकी पहचान कर आगे कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटा और 1000 रुपये नगद भी जब्त किए हैं। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। कार्रवाई में शामिल टीम~ निरीक्षक सुरेश शर्मा, उपनिरीक्षक धर्मेन्द्र शिवहरे, सहायक उपनिरीक्षक सत्येन्द्र सिंह भदौरिया सहित अन्य पुलिसकर्मियों की अहम भूमिका रही

संक्षिप्त समाचार

नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण तटवर्ती इलाकों में कटान की प्रक्रिया तेज

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप /फर्रुखाबाद/ जनपद के शमशाबाद ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत बांसखेड़ा के मजरा पैलानी दक्षिण. में गंगा नदी का रौद्र रूप देखने को मिल रहा है। नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण तटवर्ती इलाकों में कटान की प्रक्रिया तेज हो गई है, जिससे अब तक दर्जनों घर और सैकड़ों बीघा खेती योग्य जमीन नदी की धारा में विलीन हो चुकी है। प्रधानमंत्री आवास भी हुए जमींदोज- सोमवार से जारी इस भीषण कटान ने ग्रामीणों की रातों की नींद उड़ा दी है। स्थानीय प्रशासन और ग्रामीणों के अनुसार, अब तक लगभग एक दर्जन मकान और झोपड़ियां गंगा में समा चुके हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि गरीबों के लिए बनाए गए कई प्रधानमंत्री आवासभी इस प्राकृतिक आपदा की भेंट चढ़ गए हैं। किसानों की मेहनत पर फिरा पानी-कटान का असर केवल रिहायशी इलाकों तक सीमित नहीं है। गंगा के किनारे बसे किसानों की तैयार फसलें भी बर्बाद हो रही हैं। प्रमुख फसलें गेहूं के साथ-साथ तरबूज, खरबूज, खीरा और ककड़ी की फसलें बड़े पैमाने पर प्रभावित हुई हैं। आर्थिक नुकसान किसानों के खेत-खलिहान कटकर नदी में समाने से उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन-ग्राम प्रधान जुबैर खा ने बताया कि खतरे को देखते हुए सभी ग्रामीणों को समय रहते आगाह कर दिया गया है। लगातार हो रहे कटान के कारण जेम खा, मास्कीरन, मशरूम खा, शकील खा और इवनीस जैसे तमाम ग्रामीणों के आशियाने उनकी आँखों के सामने धराशाई हो गए हैं। भविष्य के खतरे को भांपते हुए बड़ी संख्या में लोग अपना सामान समेटकर सुरक्षित स्थानों पर जाने को मजबूर हैं। ग्रामीणों के चेहरों पर मायूसी और दहशत साफ देखी जा सकती है। प्रशासन से जल्द राहत और बचाव कार्य की उम्मीद की जा रही है।

एक पारिवारिक जमीनी विवाद के चलते युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या का प्रयास

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप /फर्रुखाबाद/ कायमगंज से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। कंपिल थाना क्षेत्र के कमरुद्दीन नगर गांव में एक पारिवारिक जमीनी विवाद के चलते युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। परिजनों का आरोप है कि पुलिस द्वारा दबंगों पर कार्रवाई न किए जाने से आहत होकर युवक ने यह आत्मघाती कदम उठाया। क्या है पूरा मामला?-जानकारी के मुताबिक, रामपाल सिंह के परिवार में जमीन के बंटवारे को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। रामपाल सिंह का आरोप है कि उनके ही परिवार के कुछ लोग उनकी जमीन पर अवैध कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसके कारण आए दिन उनके साथ मारपीट और गाली-गलौज की जाती है। सोमवार को बढ़ा विवाद-सोमवार को विवाद तब और बढ़ गया जब रामपाल अपने पुत्र प्रवेश कुमार और पुत्री किरण के साथ खेत पर मौजूद थे। इसी दौरान विपक्षी खेमे ने उनके साथ मारपीट की। घटना के बाद पीड़ित पक्ष शिकायत लेकर कंपिल थाने पहुंचा था। पुलिस पर निष्क्रियता के आरोप-पीड़ित की बहन किरण ने बताया कि पुलिस द्वारा पूर्व की शिकायतों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे उसका भाई प्रवेश कुमार काफी मानसिक तनाव में था। परिजनों का दावा है कि थाने पहुंचने के बाद प्रवेश ने गेट के अंदर ही जहरीला पदार्थ खा लिया और बेहोश होकर गिर पड़ा। अस्पताल में उपचार जारी-प्रवेश को तुरंत कायमगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (ष्टा्रष्ट) ले जाया गया, जहाँ डॉक्टर जितेंद्र बहादुर सिंह ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे लोहिया अस्पताल, फर्रुखाबाद रेफर कर दिया है। पिता रामपाल और बहन किरण का भी चिकित्सीय परीक्षण कराया गया है। पुलिस का पक्ष- वहीं, कंपिल थाना अध्यक्ष नितिन चौधरी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है कि युवक ने थाने के अंदर जहर खाया है। उन्होंने बताया~ ऋकमरुद्दीन नगर में दो पक्षों के बीच जमीनी विवाद की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर जाकर जांच की है। तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर घायलों का मेडिकल कराया गया है। थाने के भीतर जहर खाने की बात गलत है। फिलहाल, पुलिस मामले की आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है

Does placing a wet phone in a rice container fix it? Learn the truth

As soon as a mobile phone or any other electronic device falls into water, people panic and immediately suggest placing it in a sack of rice. This could damage your phone. Let's find out why.

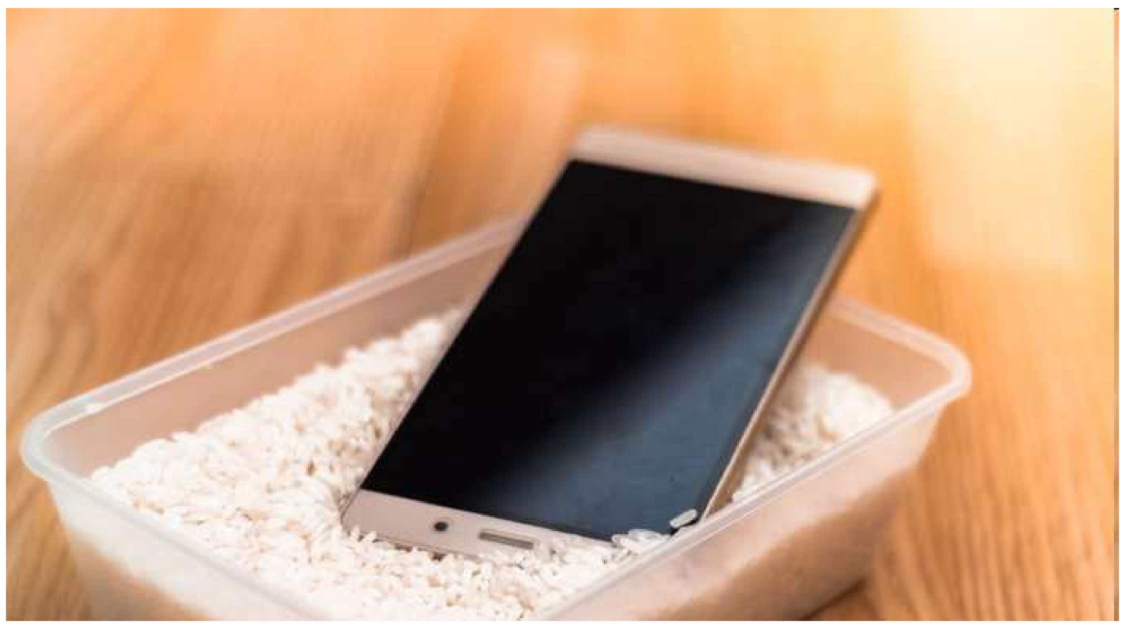

It's often seen that as soon as a smartphone falls into water, people first suggest placing it in a sack of rice. The reason behind this myth, which has been prevalent for years, is that rice absorbs moisture and dries the phone. However, in the era of modern technology and water-resistant (IP68) rated phones, experts consider this method completely wrong and risky. In fact, fine grains and starch from rice can get stuck in the phone's charging port, headphone jack, and speaker grille, permanently damaging it. Furthermore, rice only absorbs surface moisture, while water trapped in the phone's internal circuits can cause corrosion. So let's explore the truth behind this old remedy and what you should do if your phone falls into water. Disadvantages of storing your phone in rice: The fine powder and starch in rice can penetrate the phone's delicate components and jam the hardware. Rice is very slow at absorbing moisture, giving water time to reach the circuits and cause a short circuit. Rice prevents the internal components from reaching the internal components, causing the accumulated water to corrode the motherboard. What to do immediately if your phone gets wet? First, turn off the phone to avoid the risk of a short circuit. Remove the SIM card tray, memory card, and battery, if any, immediately. Gently wipe the phone's exterior with a clean microfiber cloth and don't shake it. What is the correct method? Instead of rice, store your phone in an airtight container with silica gel packets; these absorb moisture much faster than rice. Place the phone under a fan, but never use a hair dryer, as the hot air can melt the chips. Allow the phone to dry for at least 24 to 48 hours before turning it on again. Follow this technical advice Phone repairs have become very expensive these days, so rely on scientific methods instead of myths. Never keep the phone in sunlight or near a microwave, it can blast the battery. If the phone was completely submerged in water, show it to a professional service center. Always keep a cloud backup of your data so that your important files are safe in case of phone damage.

These 4 bad habits are slowly causing your teeth to decay.

Everyone needs to understand that some of our own habits can gradually lead to tooth decay. Teeth are one of the most important parts of our body. Strong and healthy teeth not only help

us eat and drink, but also enhance our smile. However, did you know that sometimes our everyday habits can cause tooth decay and cavities? Many people ignore this, but if timely precautions are not taken, this problem can become serious. In this article, we will tell you about four common mistakes that gradually lead to tooth decay and how you can change them to keep your smile healthy. Eating too much sweets - Sugary foods like cakes, chocolate, candy, and sweetened drinks encourage bacteria in the teeth. These bacteria convert sugar into acid, which gradually erodes tooth enamel. This mistake of yours causes cavities. If you don't brush or use mouthwash after eating sweets, this problem can worsen. Therefore, be sure to brush or use mouthwash after eating sweets. Not brushing on time: It's extremely important to brush at least twice daily. If you don't brush your teeth morning and night, plaque and tartar build up on your teeth. Plaque becomes a breeding ground for bacteria, increasing the risk of gum inflammation, bad breath, and cavities. Therefore, brush twice a day. Not flossing: Small pieces of food get stuck between your teeth, where the brush can't reach. If you don't floss regularly, bacteria thrive in these areas, leading to tooth decay. Flossing keeps the spaces between your teeth clean and reduces gum inflammation. Therefore, be sure to floss after eating anything. Excessive consumption of cold drinks and soda: Acidic and sugary beverages, such as soda, cold drinks, and energy drinks, weaken tooth enamel. This leads to tooth decay and sensitivity. Apart from this, they also increase the problem of swelling in the gums and mouth.

What changes occur in a woman's body during pregnancy, and what are the risks? Learn more.

Pregnancy impacts your body in many ways. It can increase blood pressure and even lead to diabetes. Scientists have now documented for the first time that pregnancy profoundly alters

not only the body but also a woman's brain. Pregnancy is a very special and emotional time in a woman's life. Health experts say that during this time, all women need to take special care of their health and daily routine. Dietary attention becomes even more important during pregnancy; it is crucial not only for the woman but also for the overall development of the baby. Experts say that from the beginning of pregnancy until delivery, a woman's body undergoes numerous changes. During this time, various hormones increase, metabolism changes, weight gain occurs, and insulin function is affected. This is why some women develop diabetes during pregnancy. Pregnancy also impacts a woman's brain in different ways. Let's explore the changes that occur in the body during this time, and what pregnancy problems women need to be aware of. What do experts say? Gynecologist Dr. Amrita Singh explains that vigilance and awareness are crucial during pregnancy, essential for both the woman and the baby. High blood pressure and sugar levels are the most common problems in women during pregnancy. While these problems are common, persistently high blood pressure or blood pressure can have a negative impact on the health of both mother and child. This is why all women are advised to pay special attention to their diet and physical activity during pregnancy. Women can develop gestational diabetes. Dr. Amrita explains that sometimes, even otherwise healthy women experience high blood sugar levels during pregnancy. While this condition is temporary, ignoring it can be risky for both mother and baby. Gestational diabetes is a condition that typically occurs in the second or third trimester. In this situation, the body is unable to produce enough insulin or insulin does not work properly, which increases blood sugar levels. If a woman is overweight, has a family history of diabetes, or has an unhealthy diet, this increases the risk of developing gestational diabetes. Pregnancy changes brain structure: Studies have found that pregnancy seriously affects not only the body but also a woman's brain. In a report published in National Geographic, scientists found that changes occur in the brain from conception to delivery that can last a lifetime. Researchers used brain imaging to scan the brain structure of pregnant women. The results revealed that during pregnancy, some areas of the brain shrink and others strengthen. This has a direct connection with maternal instinct, emotional connection, and the ability to care for the child. What is the effect on the brain? Dr. Elisa E. Hughes, a neuroscientist at the University of Barcelona, ??says that pregnancy affects the brain in such a way that a woman can better understand and care for the child's needs. This is a natural adaptive process, which we are now able to scientifically validate. Research has also found that these brain changes during motherhood help women become more empathetic and sensitive. Excessive stress and lack of sleep can further impact your mental health.

Akshay Kumar and Tabu were friends before filmmaking; the actor shared old memories, saying, "We used to go to the dance academy together."

Akshay Kumar and Tabu will be seen together again in the film "Bhoot Bangla." During the trailer launch of the film, Akshay shared some stories of their friendship with Tabu. Find out what he had to say. The trailer for "Bhoot Bangla" has been released. The film will once again feature a mix of comedy and horror. Akshay Kumar and Tabu will also be seen together on screen. Fans first saw Akshay Kumar and Tabu together in the 1996 hit film "Tu Chor Main Sipahi," but few know that their friendship dates back even before they entered Bollywood. Akshay and Tabu have been friends for 38 years. During the trailer launch of "Bhoot Bangla" in Mumbai, Akshay Kumar revealed that he has known Tabu for the past 39 years. He revealed that they used to go to the same dance academy together to learn dance. Speaking to the media, Akshay Kumar said, "I want to tell you all something about me and Tabu. I've known Tabu for 39 years. We used to go to the dance academy together." Tabu jokingly replied, "He would even pick me up on his bike." When will "Bhoot Bangla" be released? Akshay Kumar and Tabu were last seen together in the 2000 film "Hera Pheri," directed by Priyadarshan. Now, after 25 years, they will be seen together again in "Bhoot Bangla," also directed by Priyadarshan. The film stars Paresh Rawal, Rajpal Yadav, Vamika Gabbi, Mithila Palkar, and the late actor Asrani in pivotal roles. The film will release in theaters on April 17.

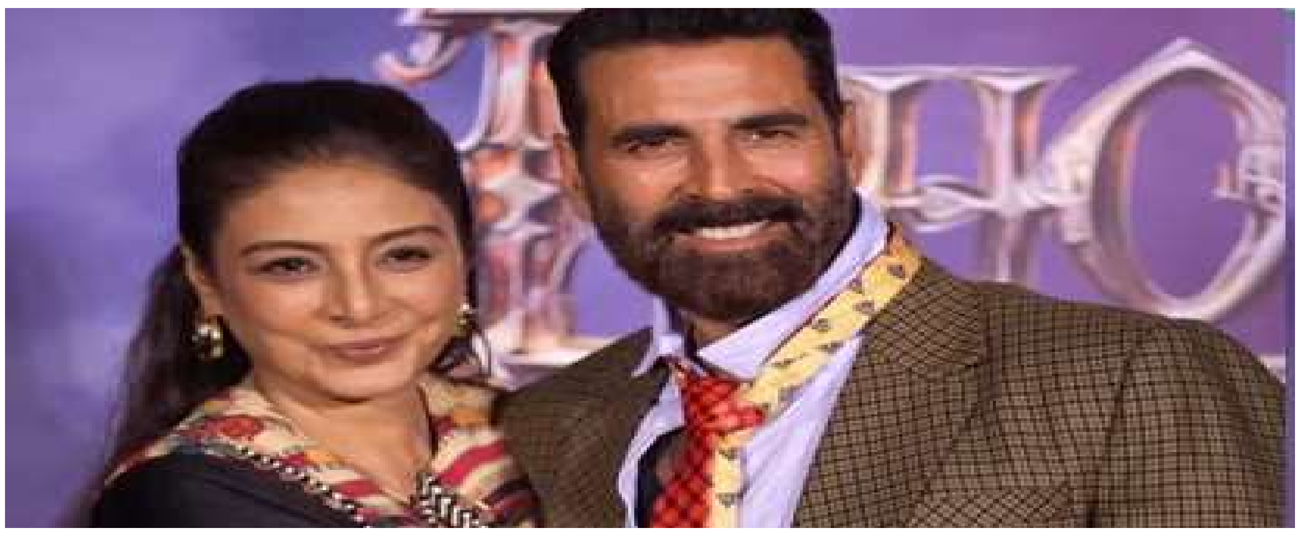

Who is Samreen Kaur? Her name is being linked to Arshdeep Singh; the actress also came to support Punjab in the IPL.

Punjab Kings fast bowler Arshdeep Singh has been in the news these days for his personal life. He shared some photos on the social media platform Snapchat, which has fueled rumors of his dating. Punjab Kings fast bowler Arshdeep Singh has been in the news these days for his personal life. He has shared some photos on the social media platform Snapchat, which has fueled rumors of his dating. Viral photos sparked discussion - In these photos, Arshdeep is seen holding a girl's hand, leading fans to speculate that someone special has arrived in his life. Although the photos are a bit mysterious and the girl's face is not clearly visible, they have sparked a lot of discussion on social media. Name linked to this actress - Many users noticed the tattoo in the photo and claimed that it resembles Punjabi actress Samreen Kaur's tattoo. Following this, speculations began that she could be the mystery girl. Meanwhile, some photos of Samreen Kaur also went viral, showing her at the stadium during the Punjab Kings' match in New Chandigarh. Previously, she was seen at the Wankhede Stadium in Mumbai during the match against the Mumbai Indians. Who is Samreen Kaur? Samreen Kaur is an emerging actress in the Punjabi industry and is gradually establishing herself. She has appeared in several Punjabi music videos and film projects and is becoming especially popular among young audiences. She is also very active on social media and shares glimpses of her professional and personal life with fans. She also appeared in the film '83, which was based on India's historic victory in the 1983 World Cup under the captaincy of Kapil Dev. Regarding Arshdeep Singh, in cricket, Arshdeep Singh is a crucial player for the Punjab Kings and could play a major role in the team's first IPL title. He is one of the most expensive Indian fast bowlers in the IPL and is also the highest wicket-taker for India in T20 Internationals.

Virat Kohli reviewed Dhurandhar 2, wrote a special note about Aditya Dhar and Ranveer Singh; said, "A different film..."

"Dhurandhar 2" has been in the news since its release. The film is receiving immense love from the audience. Meanwhile, cricketer Virat Kohli has also praised the film. Find out what he had to say. "Dhurandhar 2" has been a box office sensation since its release. The film has collected over ?1,000 crore in India, and the film continues to show no signs of slowing down. It has received immense praise from the public. Now, cricketer Virat Kohli has also praised the film. What did Virat say about the film? Virat Kohli shared his review of the film on his Instagram story. He has given a strong reaction to the film "Dhurandhar The Revenge." He described the film as "a completely different cinematic experience," unlike anything he's seen before in India. After watching the film, Virat praised director Aditya Dhar on social media. He said Aditya's vision and confidence were amazing, even calling him a "genius." What did Virat say about Ranveer Singh's performance? Virat Kohli specifically praised Ranveer Singh's acting, saying that Ranveer reached a different level in this film. While he also praised the other actors, he described Ranveer's performance as "absolutely wow." Virat also said that the film depicts every kind of emotion and that the nearly four-hour-long film didn't leave him bored for even a moment. He said that he didn't look away for the entire duration of the film. Virat's reaction has further increased the excitement among fans about the film. About "Dhurandhar 2" - "Dhurandhar The Revenge" was released in theaters on March 19. Since then, the film has been making strong box office collections. So far, it has grossed ?1,019.53 crore (approximately $1.01 billion) in India, while its worldwide collection has reached ?1,605.43 crore (approximately $1.60 billion). The film stars Ranveer Singh, Sanjay Dutt, Arjun Rampal, Sara Arjun, and Rakesh Bedi in pivotal roles.